



B

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रधानमंत्री से अनुरित

PUBLISHED BY AUTHORITY

लॉ ४१]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर १०, १९३१/प्रार्थिम १८, १९०३

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 10, 1931/ASVINA 18, 1903

इस भाग में भिन्न पुल्ल संख्या की जाती है जिससे कि यह प्रत्येक संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अस्तर्गत बताए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

संघितरण भाग

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, १६ शनिवार, १९८१

सा० का० नि० ९०५—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परस्तक द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए, आयकर अधीन अधिकरण संवस्य (भर्ती और मेवा-शर्त) नियम, १९६३ का और मंगोद्धन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथम—

1. (1) इन नियमों का संभिल नाम आयकर अधीन अधिकरण संवस्य (भर्ती और मेवा-शर्त) इसमा मंगोद्धन नियम, १९८१ है।

(2) ये नियम १ अक्टूबर, १९८१ को प्रवृत्त हुए, समझे जाएंगे।

2. आयकर अधीन अधिकरण संवस्य (भर्ती और मेवा-शर्त) नियम, १९६३ में, नियम ५ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रक्षा जाएगा, प्रथम—

“९ जैन (1) सभापति का वेतन ३५००/- प्र० मा० (नियत) होगा,

(2) उप सभार्थी जा वेतन ३२५०/- प्र० मा० (नियत) होगा, और

(3) सदस्य जा वेतन ३०००/-प्रति मास (नियत) होगा।”

आयकर अधीन अधिकरण सदस्य (भर्ती और मेवा-शर्त) द्वारा संशोधन नियम, १९८१, १-४-८१ से ही हस्तिया प्रवृत्त किया जा रहा है क्योंकि आयकर अधीन अधिकरण के यद्यप्तों के लिए विद्युत अहंताएं, विन प्रतिविधि, १९८१ (१९८१ का १६) की धारा २५२ (2) के अधीन आयकर अधीन अधिकरण के यद्यप्तों के लिए विद्युत अहंताएं, विन प्रतिविधि, १९८१ (१९८१ का १६) द्वारा १-४-१९८१ में संशोधन कर दी गई है। १-४-१९८१ के पूर्व इन नियमों का प्रकाशन संभव नहीं था इसलिए इन्हें १-४-१९८१ से भूतलभी प्रभाव दिया जाना आवश्यक हो गया है। इन संशोधन को १-४-८१ से भूतलभी प्रभाव देने के कारण किसी भी ग्राहिक के हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[स० ए-१२०१८(१)/८१ प्रशा० III (एस०ए०)]

पी० क० कर्ता, चुनूक भवित भीर विधि भवानकार

टिप्पणी : मूल नियम

(1) मा० का० नि० म० १८६४, नारीख १६-१२-१९६५

(2) मा० का० नि० म० ४, नारीख ६-१३-१९७२

(3) मा० का० नि० म० ५७६, नारीख २३-५-१९८१ द्वारा गंशोधित किए गए हैं।

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 16th September, 1981

G.S.R. 905.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Appellate Tribunal Members (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax Appellate Tribunal Members (Recruitment and Conditions of Service) Second Amendment Rules, 1981.

(2) These rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1981.

2. In the Income-tax Appellate Tribunal Members (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, for rule 9, the following rule shall be substituted namely :—

“9 Pay The pay of the,—

- (1) President shall be Rs. 3500/- p. m. (Fixed)
- (2) Vice-President shall be Rs. 3250 p.m (fixed) and
- (3) Member shall be Rs. 3000/- p.m. (fixed)”

EXPLANATORY MEMORANDUM

Income-tax Appellate Tribunal Members (Recruitment and Conditions of Service) second Amendment Rules, 1981 are being brought into force on and from 1-4-1981, since the qualifications prescribed for the Members of the Income-tax Appellate Tribunal under Section 252(2) of the Income-tax Act, 1961 have been revised by the Finance Act, 1981 (16 of 1981) with effect from 1-4-1981. As it was not possible to publish these rules before 1-4-1981, retrospective effect to the same from 1-4-1981 has become necessary. By giving retrospective effect to this amendment from 1-4-1981 nobody's interest would be adversely affected.

[No. A. 12018(1)/81-Adm III (LA)]

P. K. KARTHA, Jt Secy. & Legal Adviser

Note :—The principal rules have been amended vide

(1) G. S. R. No. 1864, dated 16-12-1965.

(2) G. S. R. No. 4, dated 6-12-1972

(3) G. S. R. No. 576, dated 23-5-1981.

(कानूनी कार्य विधान)

मह विलासी, 30 जुलाई, 1981

ला० का० मि० 906—केन्द्रीय सरकार, विधि, स्थान और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विधान) की अधिसूचना मं० मा० का० नि० 234, नारीब 31 जनवरी, 1978 को अधिकारी करने हुए और कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620 की उप-धारा (1) के बारे (क) हारा प्रकार गतियों का प्रयोग करने हुए यह नियम करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 255, 258 और 287 नियन्त्रित की जायग नहीं होंगी ।—

(क) गेमी सरकारी कम्पनी, जिसमें पूर्ण समादर शेयर पंजीय केन्द्रीय सरकार हारा या किसी राज्य सरकार या सरकारों हारा या भारत केन्द्रीय सरकार हारा और धारा 1 का या अधिक गत्य सरकारों हारा धारित है ; और

(ख) उपर बांड (क) में निर्दिष्ट गेमी सरकारी कम्पनी की वस्तु, जिसमें पूर्ण समादर शेयर पंजीय उम्मीदवारी कम्पनी की धारा

एप्रिल 1981 की अपेक्षाकार समय के दौसा समयों के समक्ष प्राप्त में रख दी गई है ।

[पा० स० 15/7/79-आई०जी०सी०]

शा० शी० बहरी,

भवर सचिव

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 30th July, 1981

G.S.R. 906.—In pursuance of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) notification No. GSR 234, dated the 31st January, 1978 and in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 620 of the Companies Act 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby directs that sections 255, 256 and 257 of the said Act shall not apply to—

(a) a Government company, in which the entire paid up share capital is held by the Central Government or by any State Government or Governments or partly by the Central Government and partly by one or more State Governments; and

(b) a subsidiary of a Government company, referred to in clause (a) above, in which the entire paid up share capital is held by that Government company.

A copy of this notification has been laid in draft before both Houses of Parliament as required by sub-section (2) of Section 620 of the said Act.

[F. No. 15/7/79-IGC]

B. B. BARURI, Under Secy.

मह विलासी, 23 जिल्हार, 1981

ला० का० मि० 907.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु हारा प्रदल गतियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय कम्पनी विधि सेवा नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए नियन्त्रित नियम बनाते हैं, प्रधान :—

(1) (1) इन नियमों का संशिक्षण नाम केन्द्रीय कम्पनी विधि सेवा (संशोधन) नियम, 1981 है ।

(2) नियम 2(ग) इन नियमों के गत्यपत्र में प्रकाशन की नारीब को प्रवृत्त हारा और ऐष नियम उम्मीदवारों द्वारा जाएगा, अर्थात् ।

2. केन्द्रीय कम्पनी विधि सेवा नियम 1965 में—

(क) नियम 3 के उपनियम (2) में “सेवा की तीन शाखाएँ होंगी अर्थात्, साधारण शाखा विधिक शाखा और लेखा शाखा” शब्दों के अध्यान पर नियन्त्रित रखा जाएगा, अर्थात् ।

“सेवा की तीन शाखाएँ होंगी अर्थात् विधिक शाखा और लेखा शाखा” ।

(ख) नियम 4 में :—

(i) उपनियम (4) में “तीनों में से किसी एक” शब्दों के स्थान पर “शेषों में से किसी एक” शब्द रखे जाएंगे ;

(ii) उपनियम (5) में “साधारण शाखा में के पश्च मेवा के किसी भी सम्बन्ध हारा धार्य है ।” शब्दों का लोप किया जाएगा ,

(ग) नियम 5के पश्चात नियन्त्रित नियम रखा जाएगा, अर्थात् “5क. साधारण शाखा के भवनों की विधिक शाखा या लेखा शाखा में विधिक

(1) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् यासमवृ शास्त्र, आयोग एवं अधिन समिति ने गठन करना जिसमें आयोग का अध्यक्ष या सदस्य उसका मान्यता होना और कम्पनी विधि बोर्ड के अधिक से अधिक दो प्रतिनिधि उसके सदस्य होने। समिति साधारण शास्त्राओं की विभिन्न शैक्षियों में विद्यमान महसूसों की विधिक शास्त्रा या लेखा शास्त्रा या दोनों की महसूसी शैक्षियों में इयूटी पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त का अवधारण करती।

(2) अधिन समिति की शिरोपां ग्राप्ट होने पर आयोग प्रान्ती सिफारिशों के द्वारा सरकार को भेजेगा।

(3) माधारण शास्त्रा का कोई सदस्य जो, आयोग की विधिविभाग के अनुसार, विधिक शास्त्रा के इयूटी पद और सेक्षा शास्त्रा में इयूटी पद पर भी नियुक्ति के लिए उपयुक्त ममता जाता है उसे आपनी इच्छा अनुसार दोनों में से किसी शास्त्रा में नियुक्त किए जाने का विकला होगा।

(4) उपनियम (3) में विनियिट विकल्प का प्रयोग, आयोग की विधिविभाग की समूचना की तारीख में तीन दिन के प्रीतर किया जाएगा और एक बार किया गया विकल्प अनिम होगा।

(5) माधारण शास्त्रा का कोई महसूस जो उपनियम (4) से उन्नतिविधि के भीतर विकल्प का प्रयोग नहीं करता है, विधिक शास्त्रा के इयूटी पद पर या नाया शास्त्रा में इयूटी पद पर नियुक्त किया जा सकता, जो नियन्त्रण प्राविकारी विनियिटिव करे, जब तक कि मध्यवर्ती सदस्य उपयुक्त अवधिक के भीतर विनियिट रूप से कठन नहीं करता है कि वह दोनों में से किसी भी शास्त्रा में नियुक्त नहीं होना चाहता है।

(6) उपनियम (4), (1) और (5) के उपबंधों के अधीन रहने वाले शास्त्राएँ शास्त्रों के विधिक शास्त्रों में या लेखा शास्त्रों में इयूटी पद पर नियुक्ति, आयोग की विधिविभागों के अनुसार की आपसी।

(7) साधारण शास्त्रा का विधमान महसूस विधिक शास्त्रा या लेखा शास्त्रों की आवेदित विधा जाएगा।

(8) इस नियम के उपबंध इन नियमों के किसी अन्य उपबंध में किसी भी बात के होने हुए भी प्रभावी होगे।

(अ) नियम 6 में, उनियम (1) के परन्तुक में, "या साधारण शास्त्रा" शब्दों का लोप किया जाएगा,

(इ) नियम 8 में, उपनियम (1) के बीचे परन्तुक का लोप किया जाएगा,

(च) नियम 12 में,

- उपनियम (4) में, प्राविक वैग में, "तीनों" शब्द के स्थान पर "दोनों" शब्द रखा जाएगा,
- उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित शब्द जाएगा, अर्थात् —

"(5) नियम 5ब के अधीन विधिक शास्त्रा या लेखा शास्त्रा में नियुक्त व्यक्ति व्याप्तियां, विधिक शास्त्रा या लेखा की वर्गीकरण सूची या, मध्यवर्ती शैक्षी में उनकी पुर्झिट को विचार में लाए बिना, निम्नलिखित उपबंधों के अधीन रहने हुए नियमित शास्त्र और उसकी नियुक्ति की तारीख के अनुसार रखे जाते।

(क) संधे भर्ती कार्य ग्रन शास्त्रों वे शास्त्रार्थी विधिविभाग सेक्षा आयोग द्वारा पहले की गई है उन

विधिविभागों में ज्येष्ठ होने जिनकी विधिविभाग उनके द्वारा बाद में की गई है वाह विधिविभागों ने किसी भी तारीख को पर घरण किया है। इस प्रयोजन के लिए सेक्षा लोक सेवा आयोग के उम पक्ष की तारीख जिसमें मध्यवर्ती विधिविभाग का नामनिर्देशन किया गया है मध्यवर्ती होगी। यदि पदों पर सीधी भर्ती के लिए अधिकारियों को मिकारिश करने की, सेक्षा लोक सेवा आयोग के पक्ष की तारीख एक ही थी तब उनके पद घरण दर्शन का तारीख को गणना में लिया जाएगा।

(ब) प्रोत्सव अक्ति विभागीय प्रोत्सवों की अप्ता में पूर्ववर्ती विभा गीय प्राविक समिति की विधिविभाग पर पैनल में रखे गए अधिकारी उन विधिविभागों से वरिष्ठ होंगे जा परमात्मर्वी विभागीय प्राविक समिति का विधिविभाग पर पैनल में रखे गए हैं। किसी विधेय बैच के प्रोत्सवों के बीच एकीकरण होने पर उनकी आपस में वरीयता, उनकी नियमित प्रोत्सव की तारीख के अनुसार नियन्त्रण की जाएगी। किसी पैनल में सम्मिलित अधिकारियों के आपस में स्थान में काफी परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

(ग) किसी शैक्षी में प्राविक और सीधे भर्ता किए गए अक्तियों की आपसी वरीयता, जो अलग-अलग काउंसलों में अपलू साधारण शास्त्रा, विधिक शास्त्रा और लेखा शास्त्रा में पहले ही अवधारण है, एकीकृत वरीयता सूची में भी बनाई जाएगी।

टिप्पण—यदि इस उपनियम के अधीन वरीयता नियन्त्रण के फालस्वरूप कोई कठिनाई या विषमता उत्पन्न होती है तो वरीयता का अवधारण, वरकार द्वारा आयोग के परामर्श में किया जाएगा।

(11) इस प्रकार शास्त्रार्थी उपनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तर्वाप्ति किया जाएगा, अर्थात् —

"(6) उपरोक्त उपनियम (1) स (5) के अधीन न आने वाले मामलों में, सेवा में नियुक्त अधिकारियों की वरीयता उन मिलाता द्वारा नियमित होगी जो सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से विनियिटिव किए जाएं।

(12) अनुमूली 1 को मारणी ख में, स्तम्भ 9 और 10 और उनके बीच की परिविक्षणों का लाप किया जाएगा।

[का० स० ए०-11019/४/७७-प्रशा०-II]

केशव प्रसाद, उप सचिव

New Delhi, the 23rd September, 1981

G.S.R. 907.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Company Law Service Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Company Law Service (Amendment) Rules, 1981.

(2) Rule 2(c) shall come into force on the date of the publication of these rules in the Official Gazette; and the remaining rules shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. In the Central Company Law Service Rules, 1965;

(a) in rule 3 in sub-rule (2), for the words "There shall be three branches in the Service, namely, the General Branch, the Legal Branch and the Accounts Branch" the following shall be substituted, namely :—

"There shall be two branches in the Service namely, the Legal Branch and the Accounts Branch"

(b) in rule 4 :—

- (i) in sub-rule (4), for the words, 'any one of the three, the words "either of the two" shall be substituted;
- (ii) in sub-rule (5), the words "Posts in the General Branch are tenable by any member of the Service" shall be omitted;
- (c) after rule 5A, the following rule shall be inserted, namely :—

"5B Appointment of members of the General Branch to Legal Branch or Accounts Branch.

(1) As soon as may be, after the commencement of these rules, the Commission shall constitute a Selection Committee, with the Chairman or a Member of the Commission as President and not more than two representatives of the Company Law Board as Members, to determine the suitability of the existing members in different grades of the General Branch for appointment to duty posts in the corresponding grade, of the Legal Branch or the Accounts Branch or both.

(2) On receipt of the Selection Committee's report, the Commission shall forward its recommendations to the Central Government.

(3) An existing member of the General Branch who, according to the recommendation of the Commission is considered suitable for appointment to a duty post in the Legal Branch as well as to a duty post in the Accounts Branch shall have the option to be appointed to either of the two Branches of his choice.

(4) The option referred to in sub-rule (3) shall be exercised within a period of thirty days from the date of communication of the recommendation of the Commission and the option once exercised shall be final.

(5) Any existing member of the General Branch who does not exercise option within the period provided in sub-rule (4) may be appointed either to a duty post in the Legal Branch or to a duty post in the Accounts Branch as the Controlling Authority may decide, unless the member concerned specifically states within the said period that he does not want to be appointed to any of the two Branches.

(6) Subject to the provisions of sub-rule (3), (4) and (5), appointments of the existing members of the General Branch to the duty posts in the Legal Branch or in the Accounts Branch shall be made in accordance with the recommendations of the Commission.

(7) An existing member of the General Branch shall be allotted either to Legal Branch or to the Accounts Branch.

(8) The provisions of this rule shall have effect notwithstanding anything contained in any other provision of these rules :

- (d) in rule 6, in the proviso to sub-rule (1), the words, "or the General Branch" shall be omitted;
- (e) in rule 8, the third proviso to sub-rule (1) shall be omitted;
- (f) in rule 12;
- (i) in sub-rule (4), in the opening paragraph, for the word "three", the word "two" shall be substituted;
- (ii) for sub-rule (5), the following shall be substituted, namely :—

"(5) Persons appointed to the Legal Branch or to the Accounts Branch under Rule 5B would be fitted in the seniority lists of the Legal Branch or the Accounts Branch, as the case may be, according to the dates of their regular appointment, irrespective of the date of confirmation, to the grades concerned, subject to the following provisions :—

(a) Direct Recruits :—The Officers recommended earlier by the Union Public Service Commission would rank senior to those who were recommended by them subsequently, irrespective of the dates on which the officers actually joined. For

this purpose the date of the Union Public Service Commission's letter nominating the officer concerned would be the relevant factor. If the date of the Union Public Service Commission letter recommending the candidates for direct recruitment to the posts was the same, then the date of their joining the posts would be taken into account.

(b) Promotees :—In the case of departmental promotees, Officers empanelled on the recommendations of an earlier Department Promotion Committee will rank senior to those empanelled on the recommendations of the later Departmental Promotion Committee. Among the promotees of a particular batch, on integration, their inter-se-seniority will be fixed in accordance with the dates of their regular promotion. The inter-se-position of Officers included in any panel will not be disturbed.

(c) The inter-se-seniority of promotees and direct recruits in a grade already determined in separate cadres i.e., in the General Branch, Legal Branch or Accounts Branch will be maintained in the integrated seniority list.

Note : In case the fixation of seniority under this sub-rule results in difficulties or anomalies, the seniority shall be determined by Government in consultation with the Commission."

(iii) after sub-rule (5) as so substituted, the following shall be inserted, namely :—

"(6) In cases not covered by sub-rules (1) to (5) above, seniority of officers appointed to the Service shall be governed by such principles as may be decided by the Government in consultation with the Commission ;"

(g) In Schedule I, in Table Part B, columns 9 and 10 and the entries thereunder shall be omitted.

[F. No. A-11019/8/77-Admin. II]

KESHAW PRASAD, Dy. Secy

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1981

सांकेतिक 908.—भारत सरकार, काम्पनी कार्य विभाग की अधिसूचना में सांकेतिक 443(क) नामीक 18 प्रक्रम, 1972 के गाथ परिवर्तन, काम्पनी प्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 से उपधारा (1) के परत्तुक द्वारा अधिकारों का प्रयोग करने हाए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (काम्पनी विधि प्रणाली विभाग) जी अधिसूचना सं. सांकेतिक 3216 नामीक 1 प्रक्रम, 1957 की प्रधिसूचना (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपालंग करने हाए काम्पनी विधि जोड़े पावदान यह निर्देश दिया है कि मैं क्रियान्वयन विलेन्स फैज़ (जिसे इसके पश्चात् 'काम्पनी' कहा गया है) के मामले में, जो एक विवेकी काम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे निम्न विवेकी काम्पनी के अपने नाम होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपालंगित की गई है, तामन्तरिक अन्य ग्राहकाशी तथा उपालंगों के अधीन उक्त हाए नाम होने, अर्थात्—

यदि 30-6-78, 30-6-79 तथा 30-6-80 के विनीय वर्षों की समाप्ति के बावजूद काम्पनी भारत में समर्पित रजिस्ट्रार को, निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपरन्तों का पर्याप्त प्रत्याग्र द्वारा यक्षम जाप्ता —

(1) (1) काम्पनी के दो निदेशकों, (2) निधनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के प्रत्यंत भारत में आंशिक नामील के लिए प्राविकृत व्यक्ति तथा (3) भारत के शासप्राप्त लेलापाल, द्वारा प्रमाणित इसकी भारताद्य माला का ग्राहियों तथा ग्राहाधियों का विवरण-पत्र

(2) अपर उपरैत (1) में वर्णित टप से प्रमाणित भारत में काम्पनी की विविधाधियों तथा देशाधियों का विवरण-पत्र

13) उपर उपर्युक्त (1) में वर्णित व्यक्तियों द्वारा उपर्युक्त व्यक्ति इस भारतीय का प्रमाणपत्र कि उपर्युक्त ने 30-6-78, 30-6-79 तथा 30-6-80 के बर्दी की सम्पत्ति के मध्य भारत में काई व्यापार नहीं किया ।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से ।

[फारूम १४/४/८१-सी०एल०-८]

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 508.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G. S. R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Govt. of India, Ministry of Finance, (Department of Company Law Administration) No S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Christian Children's Fund (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial years ended 30-6-78, 30-6-79 and 30-6-80 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) two directors of the company (2) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act and (3) a chartered Accountant practising in India,
- (ii) A statement of the company assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and;
- (iii) A certificate duly signed by persons as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the years ended 30-6-78, 30-6-79 and 30-6-80.

By order of the Company Law Board.

[F. No. 14/4/81-CL VI]

सांकेतिक ९०९.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की अधिकारी सं० सांकेतिक ४४३(४) तारीख १८ अक्टूबर, १९७२ के भारत परिनियम, १९५६ (१९५६ का १) की धारा ५९४ की उपाधारा (1) के परन्तुकृत द्वारा प्रदत्त अनियतों का प्रयोग करते हुए नथा भारत वरवार के बिना मत्तान्तर (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिकारी सं० सांकेतिक ३१६ तारीख १८ अक्टूबर, १९५७ की अधिकारी सं० (जिसमें इसके पात्रानु अधिकारी कहा गया है) में अंग्रेजी उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एन्ड इन्डिया यह निवेदण दिया गया है कि मैं मालेडीगन पास०पी०गा० (जिसमें इसके पात्रानु 'कम्पनी' कहा गया है) के मामले में जो एक विवेशी कम्पनी है, उसके धारा ३९१ की उपाधारा (1) के अंडे (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विवेशी कम्पनी के अपने नाम होने के सम्बन्ध में अधिकारी द्वारा उपान्तरण की गई है, निम्नलिखित अन्य अपेक्षादों नथा जारीतर्गे के अन्वर्तन उन्होंने द्वारा द्वारा द्वारा होगी, अर्थात् —

वर्ष १९८१ के विनीय वर्ष की समाजिक के बाबत कम्पनी भारत में अपुत्री लाग्स्ट्रां को, निम्नविवित वर्ष तीन अंतर्यां प्रमुख करे तो उक्त धारा ५९४ की उपाधारा (1) के अंडे (क) के उपर्युक्तों का प्राप्त अनुपानन द्वारा समझा जाएगा ।

(1) (1) कम्पनी के द्वा निर्देशकों, (2) अधिनियम की धारा ३९२ का उपाधारा (1) के अंडे (घ) के अन्तर्यात भारत में आवेदिका समाजी के लिए प्राप्तिकृत व्यक्ति तथा (3) भारत के लाम्प्राप्त भविष्यात्मक द्वारा भारतीय साक्षा की प्राप्तियों तथा अशासनियों का विवरण-पत्र

(2) उपर उपर्युक्त (1) में वर्णित द्वा से प्रमाणित गारं ए कम्पनी को दर्जनीयता तथा दर्जनीय । विवरण-पत्र

(3) उपर उपर्युक्त (1) में वर्णित व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित इस क्षेत्र के लाग्स्ट्रां तक वर्ष १९८१ के वर्दे की अनियति के मध्य भारत में कोई व्यापार नहीं किया ।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से ।

[फारूम १४/८१-सी०एल०-६]

बी०बी० टान्डन, निवेशक

G.S.R. 909.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G. S. R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Govt. of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s Montedison S. P. A. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended 1981 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) two directors of the company (2) a person authorised to accept services of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (3) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by persons as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year 1981.

By order of the Company Law Board

[F. No. 14/8/81 CL VI]

B. B. TANDON, Director

वित्त विभाग

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 जितम्बर, 1981

स्त्रा० का० नि० 910:—राष्ट्रपति, मंविधाम के अनुस्थित 309 के परन्तुक म्हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग थरनेहुए, और वित्त मंत्रालय (राजस्व धौर विभाग) (धर्म १ पद) भर्ती नियम, 1969 को अधिशाल करने हुए, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) में ममूल 'ध' पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, शर्तात्:-

१. वंशित नाम और प्रारम्भ :— (१) इन नियमों वा मंसित नाम वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) (समूह 'अ' पद) भर्ती नियम, १९३१ होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त्त होंगे।

२. साग होमा :—ये सियम हस्ते उपाख्य घनसूक्ष्मी के नम्बर २ में विनिर्दिष्ट परों को साग होंगे।

३ पद्मभूष्या वर्गोक्तरण और वेनवसान --उक्त पदों की सब्दा उनका वर्गोक्तरण भीर उनके वेनवसान के होगे, जो इन नियमों में उपावद मनुसूची के सम्म ३ से ५ में विर्णिविष्ट है।

4. भर्ती की पढ़ाई, भाय-जीमा और भ्रष्ट भ्रह्मताएँ।—उक्त पदों पर भर्ती की पढ़ाई, भाय-जीमा, भ्रह्मताएँ और उससे/उसमें सम्बन्धित अन्य शास्त्रों के विवरण दिए गए।

5. अपराधी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का हीमार्ग के रूप में प्रशिक्षण लेने का वायित्वः—इन नियमों में किसी बात के होने पूरा भी, इन नियमों के प्रतीत अपराधी के रूप में नियुक्त प्रायोक अपार्टमेंट हीमार्ग के रूप में नीत वर्त का प्रशिक्षण देया।

परन्तु प्रशिक्षण के दौरान किसी व्यक्ति के काव्य तथा उसके द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण स्वर की ध्यान में रखने हुए, महायमावेष्टा हासागार्ह उसके लिए जो

कारण है, उन्‌ही लखवाल के रूप, ऐसा अपावृत्ति का विटाक द्वारा विष के निकाश।

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जि-

(अ) जिसमें अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया

उक्त पद पर नियमित का पात्र नहीं होगा :

परता यदि केवलीय सरकार का यह समाधान

मनुष्य है और ऐसा करने के लिए प्रत्यक्ष आवश्यक है तो वह किसी व्यक्ति का इस विषय के प्रबन्धन से छूट नहीं सकती।

8. अधिकारीत :—इन नियमों को काह भा गांव एस भारतीयों, शायु-समाज में हूँ भारतीयों नियमों पर प्रभाव नहीं आएगा, जिनका केंद्रीय भरकार द्वारा इस सम्बन्ध में भवय-समय पर नियमों गए श्रद्धेशों के प्रनुसार अनुसूचित आनियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रशंगों के व्यक्तियों के लिए उपयोग करना अपेक्षित है।

अमुसूची

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शीलिक महंताएं प्रोत्साहित की जाता है जबकि व्यक्तियों की वाली दिवियों की प्रतिशतता भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होती या प्रोत्साहित होता या प्रतिशतियुक्तिता स्थानान्तरण होता नहीं विभिन्न पद्धतियों होती भर्ती किए जाने वाली दिवियों की प्रतिशतता

प्रोलंति प्रतिनियुक्तिं/स्थानान्तरणं यदि विभागीय, प्रोलंति मयिति भर्ती करने में किन द्वारा भर्ती की दशा में वे प्रणियाँ हैं तो उम्मी संस्करणा परिवर्तियों में संबंधित हैं।

जनसंप्राप्ति/प्राप्तिसंपूर्ति/
स्वास्थ्यसंतरण किया जाएगा

नाक सवा आयग म
परामर्श किया जाएगा

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रोलंति द्वारा	ऐसे दप्तरियों/जमावारों में से विं प्र० म० जिसमें सारू नहीं होता प्रोलंनि द्वारा जिन्होंने उस निम्नलिखित होंगे—	1. प्रबर सचिव, प्रशासन	1. प्रबर सचिव, प्रशासन- 2. प्रबर सचिव, प्रशासन- 3. अधर सचिव, विकाय

1	2	3	4	5	6	7	8
2 वपतरी	41*	साधारण केन्द्रीय सेवा	200-3-206-4-234	अन्वयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
		ममूह 'व' (अराज- द० रौ०-४-२५० र०					
3 जमादार	26*	साधारण केन्द्रीय सेवा	200-3-206-4-234	अन्वयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
		ममूह 'व' (अराज- द० रौ०-४-२५० र०					
4 चपरामी	116*	साधारण केन्द्रीय सेवा	196-3-220-द० रौ०	लागू नहीं होता	+ 25 वर्ष भरकारी आठवां स्तर उनीं		
		ममूह 'व' (अराज- ३-२३२६०			मेवकों के लिए,		
					केन्द्रीय भरकार		
					द्वारा जारी किए गए		
					अनुदेशों या आदेशों		
					के अनुसार लिखित		
					करके 35 वर्ष सक		
					की जा सकती है।		

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोलन्ति द्वारा जिसके न हो सकते हैं मेरे चपरामीयों की प्रोलन्ति द्वारा दिं प्र० स० दिसमें निम्न- लागू नहीं होता			
		पर स्थानन्तरण द्वारा	जिन्होंने उसे श्रीमीं में कम से लिखित होंगे।		
			कम तीन वर्ष नियमित	1. अवर सचिव प्रशासन-ए।	
			सेवा की है।	2. अवर सचिव प्रशासन-।	
				3. अवर सचिव, विक्रम कर	

लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोलन्ति द्वारा	स्थानान्तरण.— ऐसे व्यक्ति जो केन्द्रीय सरकार के विभागों/कार्यालयों में सम- रूप यव व्यापक करते हैं।	दिं प्र० स० दिसमें निम्न- लिखित होंगे :—	लागू नहीं होता
			ऐसे चपरामीयों की प्रोलन्ति द्वारा जिन्होंने उस हसियत में कम में कम तीन वर्ष नियमित सेवा की है।	1. अवर सचिव, प्रशासन- ए। 2. अवर सचिव, प्रशासन-। 3. अवर सचिव, विक्रम कर	

लागू नहीं होता	दो वर्ष	75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 25 प्रतिशत प्रतिशियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	स्थानान्तरण ऐसे सकारात्मकों/ फरारियों और औदियों में से जिन्होंने आमी-प्रशनी श्रेणियों में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है और जिन्हें पदार्थ-सिद्धार्थ का प्रारम्भिक ज्ञान होता जो या तो हिन्दी, अंग्रेजी या प्रावेशिक भाषा में से कोई एक पढ़ने की योग्यता रखते हैं।	दिं प्र० य० जिसमें निम्न- लिखित होंगे :—	लागू नहीं होता
----------------	---------	--	---	---	----------------

1	2	3	4	5	6	7	8
5. परगां	12*	साधारण केन्द्रीय भेजा 196-3-120-३० रु० लागू नहीं होता।	135 वर्ष सरकारी बालकनीय सेवकों के लिए प्रायोगिक स्तर उत्तीर्ण केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों वा ग्राहितों के गतुगार शिखिल करने 35 वर्ष तक की जा सकती है।				
6. सफाईवाला	13*	साधारण केन्द्रीय भेजा 196-3-120-३० रु० लागू नहीं होता।	125 वर्ष सरकारी बालकनीय सेवकों के लिए प्रायोगिक स्तर उत्तीर्ण केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों वा ग्राहितों के गतुगार शिखिल करने 35 वर्ष तक की जा सकती है।				
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिमके न होने पर स्थानान्तरण द्वारा	गेसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो वेन्यूय भरकार के अधीन गमरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिमके न होने पर स्थानान्तरण द्वारा	गेसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार के अधीन गमरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।		
9	10	11	12	13	14		
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिमके न होने पर स्थानान्तरण द्वारा	गेसे व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा जो केन्द्रीय सरकार के अधीन गमरूप या समतुल्य पद धारण करते हैं।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।	विं प्र० ३० म० जिमसे निम्न- लागू नहीं होता।		

कार्यस्थान के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

टिप्पणी—आग्रही सीमा अवश्यार्थित करने की नियमित सारीब वह सारीब होंगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।

[प्र० १६/फा० स० ५१/६७/८०-प्रशा० १-क]

प्र० १६/फा० मापूर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd September, 1981

G.S.R. 910.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) (Class-IV posts) Recruitment Rules, 1969, the President hereby makes the following rules, regulating the methods of recruitment of Group 'D' posts in the Ministry of Finance (Department of Revenue) namely :—

1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance (Department of Revenue) (Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of Posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Methods of Recruitment, age limits and other qualifications.—The methods of recruitment to the said posts, age limits, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Liability of persons appointed as persons to undergo training as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a Peon under

these rules shall undergo training as a Home-Guard for a period of three years :

Provided that the Commandant General, Home Guards may, having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years for reasons to be recorded in writing.

6. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

7. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

8. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservation, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

S. No.	Name of the posts	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Junior Gestetner Operator.	2*	General Service	Rs. 210-4-250- Group 'D' (Non-Gazetted)	Non-selection	Not applicable	Not applicable
2.	Dafty	41*	General Service	Rs. 200-3-206-4- Group 'D' (Non-Gazetted)	Non-selection	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualification prescribed for the direct recruit will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether direct recruitment or by promotion or deputation/transfer and percentage of the vacancies filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14

Not applicable	Two years	By promotion	By promotion from Daftaries/ Jamadars who have rendered at least 3 years' regular service in that capacity and have proficiency in operating and maintaining duplicating machines	Group D.P.C. Comprising of— (1) Under Secretary Administration-IA (2) Under Secretary Administration-I (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable.
Not applicable	Two years	By promotion failing which by transfer	By promotion of Peons who have rendered at least 3 years' regular service in the Grade Transfer : Persons holding similar posts in the Departments/ offices of the Central Government	Group D.D.P.C. Comprising of— (1) Under Secretary Administration-IA. (2) Under Secretary Administration-I (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Jamadar	26*	General Service	Central Group 'D'	Rs. 200-3-206-4- 234-EB-4-250	Non-selection	Not applicable	Not applicable
4. Peons	116*	General Service	Central Group 'D'	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not applicable	*25 years Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government	Middle School Standard pass
5. Farash	12*	General Service	Central Group 'D'	Rs. 196-3-220- EB-3-232	Not applicable	*25 years Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government	Desirable : A pass in the Primary School Standard

9	10	11	12	13	14
Not applicable	Two years.	By promotion	Promotion of Peons who have rendered at least 3 years regular service in that capacity	Group D D.P.C. comprising of— (1) Under Secretary Administration-IA (2) Under Secretary Administration-I. (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable.
Not applicable	Two years.	75 per cent by direct recruitment and 25 per cent by transfer	Transfer : From Safaiwala, Farash and Chowkidar who have rendered minimum of five years regular service in the respective grades and possess elementary literacy and ability to read either Hindi, English or regional language	Group D D.P.C. comprising of— (1) Under Secretary Administration-IA (2) Under Secretary Administration-I. (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable.
Not applicable	Two years	By direct recruitment, failing which by transfer	By transfer of persons holding similar or equivalent posts in the Central Government	Group D D.P.C. comprising of— (1) Under Secretary Administration-IA (2) Under Secretary Administration-I. (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
6. Safaiwala	13*	General Service	Central Group 'D'	Rs. 196-3-220- EB-3-232	Not applicable	*25 years for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government	A pass in the Primary School Standard
	9	10	11	12	13	14	
Not applicable	Two years	By direct recruitment, failing which by transfer	By transfer of persons holding similar or equivalent posts in the Central Government	Group D D.P.C. Comprising of-- (1) Under Secretary Administration-IA (2) Under Secretary Administration-I (3) Under Secretary Sales-tax	Not applicable		

*“Subject to variation dependent on work load”.

Note :—*The crucial date for determining the age-limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

[No. 26/F. No. 51/62/80-Ad. 1A]
S. L. MATHUR Under Secy.

मार्टीय रिजर्व बैंक

प्रदेशी सभा नियंत्रण विभाग

कैल्पनिक कायदालय

बम्बई, 19 अगस्त, 1981

सांकेतिक ९१।—विदेशी मुद्रा विनियमन प्रधानियम, १९७३ (१९७३ का ४६) की धारा ३२ की उपधारा (ii) के अनुमत्तर में रिजर्व बैंक इसके द्वारा यह नियंत्रण देता है कि कमातः दिनांक ६ जनवरी १९७८ और १ अप्रैल १९७८ के अद्यतम संगीती सीधी ० पीएसी २ और ३/०-७८ द्वारा यथा संसंगीत दिनांक १८ नवम्बर १९७७ का उसका प्रावेश संगीती, सीधी, पी एसी ११९-७७ तक हो जाएगा।

[प्रावेश सं० ईसी. सीओ. पी एण्ड सी. 7/9-81]
पी०भार० नागिया, उप गवर्नर

**RESERVE BANK OF INDIA
EXCHANGE CONTROL DEPARTMENT
CENTRAL OFFICE**

G.S.R. 911.—In pursuance of sub-section (ii) of Section 32 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) the Reserve Bank hereby directs that its Order No. EC. CO. P & C. 1/9-77 of 18th November 1977 as amended by Orders Nos. EC. CO. P & C 2 and 3/9-78 dated 6th January 1978 and 1st April 1978 respectively shall stand cancelled.

[Order No. EC. CO. P & C. 7(9-81)]
P. R. NANGIA, Deputy Governor

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण भवानीस्थ

(स्वास्थ्य विभाग)

शारिक पत्र

नई विरासी, 9 सितम्बर, 1981

सांकेतिक 912.—भारत के राजपत्र, प्रसादारण, भाग II, अंक 3, उपकाण्ड (i), तारीख 13 अप्रैल, 1981 के पृष्ठ 655-657 पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधिसचिन्ता संबंधी सांकेतिक 290(म), तारीख 13 अप्रैल, 1981 में—

(क) पंछ 655 पर, नियम 1(1) में—

“नियम इन नियमों को संक्षिप्त नाम बाय अप्रमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1981 है।” के स्थान पर, “इन नियमों का संक्षिप्त नाम बाय अप्रमिश्रण निवारण (द्वितीय संशोधन) नियम 1981 है;” पढ़ें।

(ए) पृष्ठ 856 पर, नियम 4 के,

(i) उप नियम “ख” में,

(ii) उप नियम "ग" में,
"एकोट्रिल प्रस्तुत" के स्थान पर "फ्रेशिक प्रस्तुत" पर।

(iii) उप नियम “ब” में,
भूत्तिम पंक्ति में “उपनियम (11)” के स्थान पर,
“उप नियम (12)” पढ़ें।

[सं०पी० 15014/९/८१-पी.एच. (एफ एण्ड एन)/पी.एफए]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 9th September, 1981

G.S.R. 912.—In the notification of the Governor of India in the Ministry of Health and Family Welfare, No. G. S. R. 290 (E), dated the 13th April, 1981 Published at pages 655-657 of the Gazette of India Extraordinary, Part II Section 3 Sub-section (i), dated the 13th April, 1981 :—

(A) On page 656—

- (i) in rule 3 (b), for "following sub-rule be", read "following sub-rule shall be";
- (ii) in rule 4 (b), for "A. 15.07", read "A.15.01";
- (B) On page 657, in rule 4 (d), for "The Bhatti Katha be", read "The Bhatti Katha shall be".

[No. P. 15014/9/77-PH (F&N) PFA]
G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1981

सांख्यिकीय सरकार स्वास्थ्य योजना (मद्रास), नियमाबली 1973 के नियम 1 के उपनियम 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस नियमों को निम्नलिखित थेंडों में भी लागू करती है, अर्थात् :—

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना घोषणालय, रोयापुरम

उत्तर में मनाली रोड वाले संगम से शुरू होने वाली शहरी सीमा से इसके साथ-साथ उत्तर पूर्व की ओर समुद्रतट वाले इसके संगम तक चलें; समुद्रतट के साथ-साथ विशिण की ओर इताहीम जी साहब स्ट्रीट वाले इसके संगम तक चलें, इताहीमजी साहिब स्ट्रीट गोल्ड जेल रोड-बासिन विज रोड के साथ-साथ विशिण की ओर बार्मिंघम नहर वाले इसके संगम तक चलें; नहर के साथ-साथ उत्तर की ओर मनाली रोड वाले इसके संगम तक चलें, सड़क के साथ-साथ उस स्थान तक पहुंचे जहां से चले थे।

[संख्या एस० 11026/1/81-केंस०स्वा०यो०डेस्क-1]
कें. एस० भाटिया, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 22nd September, 1981

G.S.R. 913.—In pursuance of sub-rule (3) rule of the Central Government Health Scheme (Madras) Rules, 1973, the Central Government hereby extends the said rules to the following areas, namely:—

CENTRAL GOVERNMENT HEALTH SCHEME DISPENSARY, ROYAPURAM

On the north, city limit commencing from its junction with Manali Road, proceed Northeast along the city boundary upto the junction with the sea-coast; proceed south along the sea-coast upto its junction with Ebrahimji Sahib Street; proceed west along Ebrahimji Sahib Street-Old Jail Road—Basin Bridge Road upto its junction with Buckingham Canal proceed north along the canal upto its junction with Manali Road, proceed along the Road to reach the starting point.

[No. S-11026/1/81-CGHS Desk I]
K. L. BHATIA, Under Secy.

अधिकारी स्वास्थ्य आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1981

सांख्यिकीय सरकार स्वास्थ्य योजना अधिनियम, 1958 (1958 के 25) के परिच्छेद 29 के उप-परिच्छेद (1)

के द्वारा प्रवाप किये गए अधिकारों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के साथ, अधिकारी स्वास्थ्य आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, एतद्वारा अधिकारी स्वास्थ्य आयुर्विज्ञान संस्थान, 1958 का संशोधन करने के लिए आगे निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों को अधिकारी स्वास्थ्य आयुर्विज्ञान संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 1958 कहा जाय।
- (2) वे 1-8-1981 से कार्यालयित होंगे।
2. अधिकारी स्वास्थ्य आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1958 में (जिसे इसके बाद कथित अधिनियम कहा गया है) अधिनियम 2 में—
 - (1) खण्ड (व) के बावजूद निम्नलिखित खण्ड प्रविष्ट किये जायेगे, अर्थात्—
 - "(वद) "मूल नियम" का अर्थ केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होने वाले मूल नियम है;
 - (द्वद) "सामान्य वित्त नियम" का अर्थ वित्तीय व्यवस्था और नियंत्रण के लिए केन्द्रीय सरकार के द्वारा निर्मित सामान्य वित्त नियम, 1963 है;
 - (2) खण्ड (1) के बाद, निम्नलिखित खण्ड प्रविष्ट किये जायेगे, अर्थात्—
 - "(ज)" "पूरक नियम" का अर्थ सरकारी कर्मचारियों पर लागू पूरक नियम है जो मूल नियम के अधीन है;
 - (क) "राजकोष नियम" का अर्थ केन्द्रीय सरकार के राजकोष नियम है।
3. कथित विनियम के विनियम 4 में—
 - (1) उप-विनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखे जायेगे, अर्थात्—
 - "(3) सचिव संस्थान की साधारण बैठक के लिए बैठक की तारीख से कम से कम दो सप्ताह पूर्व सदस्यों को स्थान, नियंत्रण और समय बताते हुए एक अधिकारीका देने और डाक डारा भेजने पर डाक प्रमाण-पत्र के अंतर्गत भेजो। बैठक की अधिकृतवाले के माध्यम से विषयसूची भी देनी जाएगी और जहां यह संभव नहीं है, बैठक से कम से कम दस दिन पूर्व कार्यसूची भेजी जाएगी, जो डाक डारा भेजने पर डाक प्रमाण-पत्र के अंतर्गत भेजी जाएगी।
 - (2) उप-विनियम (9) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—
 - "(9) बैठक के पहले या इसी अधिकारी में किसी भी समय अध्ययन (1) कार्यसूची के तथे प्रस्ताव (2) कार्यसूची में पहले से सम्मिलित प्रस्तावों में पूरक प्रस्ताव सम्मिलित कर सकते हैं; और इन प्रस्तावों को भी विचारार्थ लिया जाएगा।"
4. कथित विनियमों के लिए निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—
 - "शासी सभा का गठन"
5. शासी सभा निम्नलिखित ग्राम (11) सदस्यों के निर्मित होगी, अर्थात्—

(अ) संस्थान का अध्यक्ष	सभापति
(ब) स्वास्थ्य सेवार्थी के महानिवेशक	प्रो. व. व. व.
(स) वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधि	सदस्य

(व) निदेशक, प्रधिकार भारतीय भार्याविकान संस्थान—सदस्य
 (ग) संस्थान के लिए जुने हुए संवर के तीन सदस्यों में से संस्थान के सदस्यों के द्वारा चुना हुआ एक सदस्य।
 (र) संस्थान के मवर्सों में से ही जुने जाने वाले छः सदस्य।

5. कथित विनियमों के विनियम 7 में से “और अनुबूति 1 में प्रधकार के प्रधिकार और फर्टिंग के रूप में”, शब्द और शब्द नुक्त कर दिये जायेंगे।

6. कथित विनियमों के विनियम 8 में,

(1) उप-विनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“(1) अपने कार्य के संचालन के लिए सभापति जितनी बार प्रधारणक समझे उतनी बार शासी सभा की बैठक हो सकती, किन्तु साधारणतया यह बैठक सभापति के द्वारा निश्चित स्थान, दिनांक और समय पर तीन महीने में एक बार होगी।

(2) उप-विनियम (3) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित होगा, अर्थात्—

“(3) शासी सभा के कम से कम छः सदस्यों के द्वारा या सभापति के द्वारा लिखित रूप पर शासी सभा की असाधारण बैठक कुलाई जायेगी”।

(3) उप-विनियम (8) में “बार सदस्य” शब्दों के स्थान पर “पांच सदस्य” प्रतिस्थापित किया जायेगा।

7. कथित विनियमों के विनियम 10 में, उप-विनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“(3) उप-विनियम (2) में उल्लिखित के प्रतिरिक्त शासी सभा और स्थायी तथा तदर्य समितियों के सदस्यों और सभापति के विषय में, याका भाना और वैनिक भर्ते का भुगतान उही दरों पर किया जायेगा, जिनके लिए वे उस संगठन के विनियमों के शाधार पर जिनमें वे कार्य कर रहे हैं, या प्र० तिं. 190 के अन्तर्गत केर्टें य सरकार के द्वारा समय-समय पर निर्धारित और उसके अन्तर्गत कार्यकारी निर्णयों तथा आदेशों के विनियमों के अनुसार, जो भी अधिक ही, के प्रशिक्षित होंगे”।

8. कथित विनियमों के विनियम 12 में, उप-विनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम को प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

(1) स्थान, विनियम 6 में सर्वसित स्थायी वित्त समिति के प्रतिरिक्त एक अध्यक्ष एक उप-अध्यक्ष और सात अन्य सदस्यों से प्रतिविक से निर्मित प्रधिनियम की द्वारा 10 की उप-धारा (5) के अनुसार अन्य स्थायी समितियों गठित कर सकता है। निदेशक प्रत्येक समिति के सदस्य और पवेन सचिव रहेंगे।

प्रत्येक समिति के सभापति और उप-सभापति तथा अन्य सदस्य संस्थान के द्वारा नामित होंगे।

9. कथित विनियमों के विनियम 24 के उप-विनियम (1) में, और “चिकित्सा अधीक्षी” शब्द लुप्त कर दिये जायेंगे।

10. कथित विनियमों के विनियम 27 में, “नामित अवकाश नियम, 1933” शब्दों और अंकों के स्थान पर दोनों स्थानों जहाँ पर वह आये हैं, “केन्द्रीय भारतीय सेवा (अवकाश) नियम, 1972” शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

(2) प्रथम उपवन्ध में, “प्रवर्तन, 1 तरीं को प्रदत्ति के लिये” शब्द तथा अंक लुप्त कर दिये जायेंगे।

11. कथित विनियमों के विनियम 28 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम को प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“(28) पेंशन और भ्रेश्वारी भविष्य-निधि।

(1) संस्थान में इतर सेवा पर प्रतिनियुक्ति के अतिरिक्त, संस्थान के कर्मचारी जिनकी नियुक्ति 12-9-75 की थी इसके बाद हुई है और ऐसे कर्मचारी जिनकी नियुक्ति इस तिथि के पूर्व हुई है, किसी केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने वाले सामान्य भविष्य-निधि और पेंशन सम्बन्धी लाभों को विशेष रूप से चुना है, वे सामान्य भविष्य निधि, (केन्द्रीय-सेवा) नियम, 1960 और केन्द्रीय प्रदीनिक सेवाएं (पेंशन) नियम, 1972 के प्रावधानों के द्वारा शासित होंगे।

(2) 1 संस्थान में इतर सेवा पर प्रतिनियुक्ति के अतिरिक्त संस्थान के कर्मचारी और जिनको 12 सितम्बर, 1975 से पूर्व नियुक्त किया गया था तथा जिन्होंने विशेष रूप से सामान्य भविष्य-निधि और पेंशन लाभों को नहीं चुना था, समय-समय पर संशोधित संस्थान के प्रशंसनीय भविष्य-निधि विनियमों के द्वारा शासित होंगे।

12. कथित विनियमों के विनियम 30 के बावजूद, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित होगा, अर्थात्—

“30प्र. निदेशक के कार्यकाल की शर्तें:

इन विनियमों में प्रत्यक्षित हिसी बात के न होंगे रात नो, ग्राम संस्थान की यह धारणा है कि, ऐसा करना मात्रें जिन्हें हित में है तो उसे निश्चित में तीन माह से अन्यून के नोटिस या इसके स्थान पर तीन माह] का बेतन और उसे बैकर कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व ही किसी भी समय निदेशक के कार्यकाल को समाप्त करने का प्रधिकार है। लिखित में तीन माहों से न्यून के नोटिस को अन्य सेवा को बैकर निश्चित कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय पद के त्याग करने का प्रधिकार निवेशक को भी होगा।”

13. प्रमुखूर्धी 1 और अनुप्रमुखूर्धी 2 के लिए निम्नलिखित अनुप्रमुखूर्धी प्रतिस्थापित होंगी, अर्थात्—

अनुप्रमुखूर्धी-1

देखिये विनियम 3, 6 तथा 11

प्रधिकारों की सीमा

प्रमुखूर्धी

क्र० सं० प्रधिकारों का स्वरूप	निदेशक	प्रध्यक्ष	शासी सभा	संस्थान सभा	प्रमुखूर्धी	
1	2	3	4	5	6	7
1. स्वीकृत आय-अध्यक्ष से निधि के पुनर्बिनियोग के प्रधिकार	पूर्ण प्रधिकार	—	—	—	—	पुनर्बिनियोग पर किसी भी प्रतिवेदन की उत्तरवर्ती बैठक में शासी सभा के समय प्रमुखूर्धी के लिये रखा जायेगा

1	2	3	4	5	6	7
2. (म) सार्वजनिक बन के भण्डार के गैरवसूली योग्य मूल्य की जालपाली इत्यादि के कारण होने वाली क्षति को बटौराते में आलना। (ब) राजस्व या गैरवसूली योग्य वैयागी की क्षति। (स) भण्डार के मूल्य में घूसताएँ और मूल्य हास।	प्रत्येक विषय में 2000 रु. तक	प्रत्येक विषय में 10,000 रु. तक	प्रत्येक विषय में 20,000 रु. तक	पूर्ण अधिकार	—	—
3. (१) आकस्मिक व्यय (२) या भण्डार और लेन्डन सामग्री की खरीद तथा फार्मों के मुद्रण पर व्यय का करना।	स्वीकृत व्याय— व्यय के भीतर पूर्ण अधिकार	—	—	—	—	—
4. भ्रात्र के रखारवाक और छोटे-भोटे निर्माण (अ) मूल निर्माण और विशेष मरम्मत साधारण मरम्मत (स) वार्षिक मरम्मत	प्रत्येक विषय में 20,000 रु प्रत्येक विषय में 50,000 रुपये भ्रात्रकतम एक साल प्रति वर्ष के अधीन। रुपये प्रति वर्ष के अधीन। लघु मरम्मतों (वार्षिक मरम्मत नहीं) के लिये पूर्ण अधिकार पूर्ण अधिकार	प्रत्येक विषय में प्रत्येक विषय में प्रत्येक विषय में —	प्रत्येक विषय में प्रत्येक विषय में प्रत्येक विषय में —	पूर्ण अधिकार	—	—
5. वसूली-योग्य पेशागियां स्वीकृत करने का अधिकार	प्रपने सिवाय सभी निवेशक के विषय में अधिकारियों और कर्मचारियों के विषय में पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—	—
6. अंशदायी सामान्य अविष्य निधि से पेशागियां अन्तिम निकासी स्वीकृत करने का अधिकार।	प्रपने सिवाय सभी निवेशक के विषय में। अधिकारियों और कर्मचारियों के विषय में पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—	—
7. लेखे से सम्बद्धित कार्यालय अभिलेखों को नष्ट करना।	सौ० मू० लि० की पर्टि- शिप्ट 13 में निर्धारित शर्तों के अधीन पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—	—
8. संस्थान के कर्मचारियों के बेतान पूर्ण अधिकार और भतों को भहीने के प्रतितम कार्य-दिवस में भुगतान करने के लिये निवेशित करने का अधिकार जावक घनुवर्ती माह के प्रथम वार विश्व सार्वजनिक भवकाश के हो।	—	—	—	—	—	—
9. स्थापना के अवितरित बेतान पूर्ण अधिकार और पूर्ण अधिकार भर्ती की तीन माह से अवधिक किसी भी दूसरी के लिये रखने के आदेश देने का अधिकार।	—	—	—	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7
10.	अस्थायी रिक्षितयों में अधिकारिता प्राप्त अधिकितयों की पुनर्नियुक्ति की स्वीकृति देना।	60 वर्ष की आयु तक वर्ग "ग" के कर्मचारियों के विषय में पूर्ण अधिकार, एक बार में एक वर्ष।	60 वर्ष की आयु तक वर्ग "ब" के अधिकारियों के विषय में पूर्ण अधिकार, एक बार में एक वर्ष।	---	---	---
11.	संस्थान के कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु तक रखना।	'ग' वर्ग के अधिकारियों के विषय में पूर्ण अधिकार।	'ब' वर्ग के अधिकारियों के विषय में पूर्ण अधिकार।	---	---	---
12.	सबसे छोटे या सबसे सस्ते के असित्रित किसी भी मास से मील-भत्ते को अनुमति देना।	पूर्ण अधिकार यदि मार्ग का चयन संस्थान के हित में है।	---	---	---	---
13.	'ब' वर्ग के कर्मचारियों को अपले उच्चतर श्रेणी के रेल विद्युत को प्राप्त करने की अनुमति देना जब-कि वह ऐसी रेलगाड़ी में अधिकारी के साथ है जिसमें हित्रीय श्रेणी नहीं है।	पूर्ण अधिकार	---	---	---	---
14.	यह नियंत्रण करना कि क्या कोई अनुपस्थिति विशेष देश के अन्वर कार्य पर अनुपस्थिति है।	शैक्षिक प्रयोजनों के लिए पूर्ण अधिकार और प्राप्त विषयों में एक माह के लिए।	शैक्षिक के असित्रित सभी विषयों में एक माह से पहले के लिए पूर्ण अधिकार।	---	---	---
15.	किसी सार्वजनिक या कियाये के परिवहन में यात्रा करते हुए वर्ग "ग" और वर्ग "ब" के कर्मचारियों के द्वारा कैनिक भत्ते से मील भत्ते के विनियम पर पाबन्धिया लगाना।	पूर्ण अधिकार	---	---	---	---
16.	स्वयं अपने और अन्य कर्मचारी-बृन्द के यात्रा भत्तों के विलां पर प्रतिहस्ताकार करना।	पूर्ण अधिकार	---	---	---	---
17.	पूरक नियम 209 के प्रावधान (नो) को छोड़ना और प्रवकाश के साथ छुट्टियों के संयुक्तन के विषय में पूरक नियम 211 से विचलन को प्राप्तिकृत करना।	पूर्ण अधिकार	---	---	---	---
18.	(1) प्राकस्तिक प्रवकाश की स्वीकृति।	पूर्ण अधिकार	निवेशक का प्राकस्तिक प्रवकाश	---	---	---
	(2) प्रवकाश की स्वीकृति।	वर्ग "ब", "क", "ब" के वर्ग "क" के लिए 4 लिए पूर्ण अधिकार, और वर्ग "क" के लिए पूर्ण अधिकार, लिए 4 सप्ताह से अधिक नहीं।	सप्ताह से अधिक के लिए पूर्ण अधिकार, और निवेशक के विषय में पूर्ण अधिकार।	---	---	---
	(3) विशिष्ट प्रकाश प्रवकाश	---	पूर्ण अधिकार	---	---	---

1	2	3	4	5	6	7
19.	यह निर्देशित करना कि जो अधिकारी अवकाश पर है वह आवास को कबूने में रखता हुमा समझा जायेगा ।	मूल प्रतिनियुक्ति की अवधि या स्वीकृत अवकाश की अवधि के लिए पूर्ण अधिकार	--	पूर्ण अधिकार	--	--
20.	आवास का भाबंदन	पूर्ण अधिकार	--	--	--	--
21.	पदों पर नियुक्ति करने का अधिकार (नियम 7 के अधिन)	पूर्ण अधिकार	--	--	--	--
	(1) सर्वस्य अस्थायी	वर्ग 'ब' 'ग' और संकाय पदों के अतिरिक्त 'ब' वर्गों के लिए पूर्ण अधिकार । प्राध्यायकों और सहायक प्राचारायी के लिए एक वर्ष की अवधि से अधिक नहीं ।	वर्ग 'क' वर्गों के लिए सभी पदों के लिए पूर्ण अधिकार । सहायक प्राचारायी के लिए एक वर्ष की अवधि से अधिक नहीं ।	वर्ग 'ब' वर्गों के लिए सभी पदों के लिए पूर्ण अधिकार । सहायक प्राचारायी के लिए एक वर्ष से अधिक अवधि तक तथा प्राच्यायकों एवं सहायक प्राचारायी के लिए एक वर्ष से अधिक अवधि तक ।	--	--
	(2) स्थायी	वर्ग 'ग' और 'ब' के वर्ग 'ब्स' के पद के पद ।	वर्ग 'ब्स' के पद	वर्ग 'क' के पद ।	--	--
22.	परिवीक्षा की अवधि के सकलता-पूर्वक पूर्ण होने के बावजूद वर्ग 'क' और 'ब्स' के अधिकारायी को स्थायी करने का अधिकार ।	निदेशक के विषय के अतिरिक्त पूर्ण अधिकार ।	--	--	--	--
23.	संस्थान के वर्ग 'ब्स' के कर्मचारियों के पद स्थीकार करने का अधिकार ।	पूर्ण अधिकार	--	--	--	--
24.	वर्ग 'क' के कर्मचारीवृन्द के स्थागन स्थीकार करने का अधिकार	आचार्य और सह-निदेशक, प्राचारायी और सह-प्राचारायी के विषय के अतिरिक्त सभी वर्ग "क" के अधिकारायी के सबल्भ में पूर्ण अधिकार ।	निदेशक, प्राचारायी और सह-प्राचारायी के विषय में पूर्ण अधिकार ।	--	--	निदेशक के विषय में संस्थान समा द्वारा संपुष्टि के अधीन ।
25.	संस्थान के अधिकारी बैठकों, "सम्मेलनों, सेमीनारों, कर्मशालाओं, संगोष्ठियों इत्यादि में भाग लेने या प्रालेखालिक नियत कार्यों के लिए जब विदेश आ रहे हों तब उन्हें अनुमति देने का अधिकार ।	प्रकार विशेष के द्वय और स्वीकार्य अवकाश के आधार पर 30 दिनों की अवधि संवेदन समय तक संवेदित संकाय सभस्थों द्वारा और बैठक इत्यादि के आधीकों से चित्र निमन्त्रण प्राप्त करने पर निदेशक के विषय के अतिरिक्त पूर्ण अधिकार ।	30 दिनों का अवधि के परे कर्मचारीवृद्धि के विषय में पूर्ण अधिकार	--	--	समय-समय पर केंद्रीय सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अधीन ।

1	2	3	4	5	6	7
26.	संकाय सदस्यों के द्वारा विदेश में प्रत्यार्थीय वैज्ञानिक मम्मेलों, संगोष्ठियों, मेरमानों द्वारा विदेश में भाग लेने के लिये अनुमतिकार का काम पर मानने का अधिकार।	याका सहित अधिकारम् 15 दिनों की अवधि 15 दिनों तक के परे पूर्ण अधिकार। लिए पूर्ण अधिकार।	—	—	—	समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी निवेशों के अधीन।
27.	कर्मचारियों के अन्यत्र नियुक्त होने पर संस्थान में पुनर्मैलग्नाधिकार रखने की अनुमति का अधिकार।	वर्ग "ग" और "छ" के पदों के लिए अधिकारम् 2 वर्षों तक—एक बार में एक बर्ष पूर्ण अधिकार।	वर्ग "ख" के पदों के लिए पूर्ण अधिकार। लिए पूर्ण अधिकार।	वर्ग 'क' के पदों के लिए पूर्ण अधिकार।	—	—
28.	सामान्य नियम के अन्तर्गत संस्थान के कर्मचारियों के वेतन के नियत करने का अधिकार।	पूर्ण अधिकार	—	—	—	—
29.	संस्थान के अधिकारियों को संस्थान के कार्य के सम्बन्ध में विवेद जाने के लिए अनुमति देने और अनुपास्ति को काम पर मानने का अधिकार।	30 दिनों तक पूर्ण अधिकार, बासते संस्थान के कार्य के संबन्ध में अतीत अवधि को काम पर मानने के अन्तिरिक्त कोई विशेष भार नहीं हो।	30 दिनों की अवधि के परे पूर्ण अधिकार।	—	—	समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी निवेशों के अधीन।
30.	3 वर्षों से अनधिक अवधि के लिये अनुपास्ति अनुदान स्वीकार करने का अधिकार।	भारत सरकार की सामान्य नीति के अधीन पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—
31.	केन्द्रीय राज्य सरकार के प्रतिनिधित्वों के विषय में जहां पर सामान्य स्वरूपों की भारत सरकार के विषय की भारत सरकार करने का अधिकार।	पूर्ण अधिकार	—	—	—	—
32.	वरिष्ठ रेजोर्डों, ट्र्यूटरों के कार्यकाल की सूचि की स्वीकृति का अधिकार।	पूर्ण अधिकार	—	—	—	—
33.	प्रधन समिति को सिफारिशों पर अधिम वेतन वृद्धियों तीन अधिम वेतन वृद्धियों तीन अधिम वेतन वृद्धियों तक के लिए पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—	—
34.	मु० नि० 27 के अन्तर्गत संस्थान में नियमित पदों में नियुक्त पर अनुपास्ति परियोजनाओं के कर्मचारियों को अधिम वेतनवृद्धि संजूर करने का अधिकार।	प्रत्येक विषय के गुण-दोष के आधार पर पूर्ण अधिकार।	—	—	—	—
35.	जहां पर प्राप्त होने वाला निष्ठाह सत्ता, वैनिक भस्ते के रूप में है और कोई भानदेय निहित नहीं है पूरक नियम 12 के प्रावधान को शाखिल करने का अधिकार।	पूर्ण अधिकार	—	—	—	समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी निवेशों के अधीन।

बद्धसूची

(जैसा समय-समय पर भारत सरकार के मूल नियमों के अन्तर्गत जैसा संशोधन है)

क्र. सं०	प्रधिकार का स्वरूप	निवेशक	प्रधिकार की सीमा		प्रभूति
			प्राप्तव्य	शासी सभा	
1	2	3	4	5	6
36.	संस्थान के किसी कर्मचारी को पूर्ण प्रधिकार सचिवीय कर्मचारी होने के लिए घोषित करना।		—	—	—
37.	पुनर्व्यव्याधिकार को निलम्बित पूर्ण प्रधिकार वशाते कि जिन पदों पर पुनर्व्यव्याधिकार रखा गया है उन पर नियुक्ति करने का उसे प्रधिकार है।		पूर्ण प्रधिकार सभी भव्य पदों के लिये।	—	—
38.	संस्थान के किसी कर्मचारी के पूर्ण प्रधिकार वशों कि संबंधित दोनों पूर्ण प्रधिकार सभी अन्य पदों के पुनर्व्यव्याधिकार को एक पद से दूसरे पदों पर नियुक्ति करने का उसे प्रधिकार है।		पूर्ण प्रधिकार सभी अन्य पदों के लिए।	—	—
39.	संस्थान के किसी कर्मचारी को पूर्ण प्रधिकार वर्ग "ग" और "घ" के पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।		पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—
40.	काम पर माने हुए संस्थान के कर्मचारियों के बेतन और भत्ते को नियत करना।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "आ", "ग" और "घ" के कर्मचारियों के विषय में।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—	—
41.	बेतन-बृद्धि के लिये भ्राताधारण अवकाश को दिनना।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "आ", "ग" और "घ" के कर्मचारियों के विषय में।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—	—
42.	स्थानापन सरकारी कर्मचारी के अवतार को अधिकार।	पूर्ण प्रधिकार, वर्ग "आ", "ग" और "घ" के कर्मचारियों के विषय में।	पूर्ण प्रधिकार वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—	—
43.	मानवैयक द्वारा संस्थान को स्वीकृत करता और स्वीकार करने की अनुमति देना।	पूर्ण प्रधिकार—प्रत्येक विषय में प्रधिकार करने 500 रु० तक के लिये अवृत्ती मानवैयक के विषय में, यह सीमा एक वर्ष में किसी व्यक्ति को किये गये आवर्ती भुगतान के योग पर लागू होती है। वर्ग "क" और वर्ग "ख" के कर्मचारियों के विषय में मामले को शासी सभा में भेज दिया जायेगा।	—	—	—
44.	किसी कर्मचारी को एक से प्रधिकार पदों को अवस्थाएँ रूप से बदलने, स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करने और नील पदों के बेतन तथा निये जाने वाले अतिपूरक भत्ते की राशि को नियत करने का प्रधिकार।	पूर्ण प्रधिकार—केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को इसी प्रकार की श्रेणियों पर लागू नियमों के अन्तर्गत।	—	—	—
45.	प्रशाकालिक कर्मचारियों को सुगताता किये गये शुल्क (यात्रा मत्ते के प्रयोजन के लिये) की कोटि को घोषित करना।	पूर्ण प्रधिकार	—	—	—
46.	दो या प्रधिकार मार्गों में से सबसे छोटे या सबसे सर्वतों का नियन्त्रण करना।	पूर्ण प्रधिकार	—	—	—
47.	सबसे छोटे या सबसे सर्वतों के अतिरिक्त किसी मार्ग के भील भत्ते की अनुमति देना।	पूर्ण प्रधिकार वशाते कि मार्ग का चयन संस्थान के हित में है।	—	—	—

1	2	3	4	5	6
48.	किसी स्टेशन में यात्रा के स्थान पूर्ण अधिकार या अन्त के बिन्दु का निर्णय करना।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
49.	यह घोषित करना कि संस्थान को कोई कर्मचारी जिसका बेतन 300 हॉ प्रतिमाह से अधिक नहीं है, स्टीमर में निम्नतम श्रेणी के स्थान का अधिकारी है।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
50.	सब्वेह या कठिनाई की स्थिति में, संस्थान के कर्मचारी के स्टीमर में स्थान की श्रेणी के अधिकार को घोषित करना।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
51.	भवकाश से बाप्स होने से पूर्व स्वत्थान के स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र का मांगने का अधिकार	पूर्ण अधिकार	पूर्ण अधिकार निदेशक की स्थिति में।	—	—
52.	अधिक रक जाने को नियमित करने के लिये भवकाश में बृद्धि।	पूर्ण अधिकार यात्रे कि भवकाश पर रहने वाला अधिकारी बाप्स आने पर संस्थान के प्रशासनिक नियन्त्रण में होगा।	पूर्ण अधिकार, सभी अन्य विषयों में।	—	—
53.	भारत में इतर सेवा में स्थानान्तरण और इतर सेवा में बेतन नियत करने की स्वीकृति।	पूर्ण अधिकार, वर्ग "ख" "ग" और "ध" के कर्मचारियों के विषय में। मूल और पूरक नियम, आग वां, के इक एवं तार संकलन के परिणाम 4 में कम से 30 के सामने स्तम्भ 5 में उल्लिखित शर्तों के अधीन।	पूर्ण अधिकार, वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—	—
54.	इतर सेवा से प्रत्यावर्तन से पूर्व भवकाश लेने वाले सरकारी कर्मचारी के प्रत्यावर्तन की नियत का निर्णय करना।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार के पूरक नियमों के अन्तर्गत					
55.	उस कार्य को जिसके लिये शूलक प्रस्तुत किया गया है लेने और शूलक के स्वीकार करने की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
56.	नियमों के विधिकरण में अधिकारियों के द्वारा आशयान से यात्रा।	पूर्ण अधिकार। तुरन्त और अवास्यकता की स्थिति में।	—	—	—
57.	यह घोषित करना कि संस्थान के कर्मचारी के बेतन में सँझ के द्वारा सभी यात्राओं के लिये भास्तुपूर्ति सम्मिलित है।	पूर्ण अधिकार, वर्ग "ख", "ग" और "ध" के कर्मचारियों के विषय में।	पूर्ण अधिकार, वर्ग "क" के कर्मचारियों के विषय में।	—	—
58.	यात्रा में पड़ाव की दम दिनों तक सीमित करने के नियमों से छूट भंजूर करने का अधिकार।	पूर्ण अधिकार। 30 दिनों की सीमा तक।	पूर्ण अधिकार, 30 दिनों की प्रवधि के परे।	—	—
59.	किराये या प्रभार की राशि को नियत करने का अधिकार जहाँ संस्थान के किसी कर्मचारी को संस्थान आदि के व्यय पर संचलन का साधन हो प्रवान किया जाता ही किन्तु वह इसके उपयोग या प्रयोगन की सभी कीमत देता है।	पूर्ण अधिकार	—	—	—

1	2	3	4	5	6
60.	जांच अधिकार इत्यादि में समिक्षा करना के लिये होने वाले गैर-सरकारी व्यक्तियों को यात्रा भता स्वीकृत करना और उनकी कोटि नियत करना ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
61.	यह घोषित करना कि कोन पूर्ण अधिकार, असते कि संस्थान का नियन्त्रण अधिकारी होगा और उसके कर्मचारी स्वयं अपना नियन्त्रण पद-प्रदर्शन के लिये नियम अधिकारी घोषित न किया गया बनाना ।	—	—	—	—
62.	विशेष अधिकार अवकाश के अतिरिक्त अन्य अधिकार छुट्टी मन्जूर करना ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
63.	अवकाश स्वीकृत करना जब किकित्सा बोर्ड ने प्रतिवेदित कर दिया हो कि कर्मचारी के कार्य पर लौटने की स्वस्थता को पर्याप्त आशा नहीं है ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
64.	सम्बेद होने की स्थिति में निवाय करना कि क्या एक कर्मचारी विशेष अवकाश विभाग में सेवा कर रहा है ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
65.	प्रश्नात और भस्तरासी अवकाश मन्जूर करना ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—
66.	यात्रियों द्वारा साधारणतया प्रयुक्त मार्ग के अतिरिक्त अन्य मार्ग से कार्य प्रहरण के समय के आकलन करने की अनुमति	पूर्ण अधिकार	—	—	—
67.	अधिकतम 30 दिनों के अन्दर कार्य-प्रहरण का समय बढ़ाना ।	पूर्ण अधिकार	पूर्ण अधिकार 30 दिनों के परे ।	—	—
68.	भारत के किसी भी भाग में काम पर जाने के लिये संस्थान के कर्मचारी को प्राधिकृत करना	पूर्ण अधिकार, वर्ग "ख", "ग" और पूर्ण अधिकार, वर्ग "क" के कर्मचारियों की स्थिति में ।	पूर्ण अधिकार 30 दिनों के परे ।	—	—
69.	संस्थान के कर्मचारियों की सेवा पंजी में अभिलिखित अस्त-तिथि में लिपिकीय लूटि की स्थिति में परिवर्तन करने का अधिकार ।	पूर्ण अधिकार, वर्ग "ग" और पूर्ण अधिकार, वर्ग "क" और "ख" के कर्मचारियों की स्थिति में ।	—	—	—
70.	3 वर्षों से अधिक, किन्तु 6 वर्षों पूर्ण अधिकार। से अधिक नहीं, के बेतन इत्यादि के बकाया के बावें के परीक्षण की स्वीकृति के लिये अधिकार ।	पूर्ण अधिकार, अन्य विषयों में	—	—	—
71.	निवेशक के प्रतिरिक्त अध्य कर्मचारियों के विषय में स्थायी वेश्यागति स्वीकृत करने का अधिकार ।	पूर्ण अधिकार, निवेशक के विषय में ।	—	—	—
72.	आकस्मिक अध्य के विषय में अधीकारियों की अनुदेश जारी करने का अधिकार ।	पूर्ण अधिकार	—	—	—

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

73. प्रप्रबलित, प्रतिरक्ष और अनु- पूर्ण अधिकार
पश्चाती भण्डार का निपटान।

संस्थान के द्वारा इस प्रयोजन के लिये गठित कांडमनेशन बोर्ड की सलाह पर निवेशक कार्य करेगा।

74. असाधारण विषयों में संस्थान के पूर्ण अधिकार, जिन पेशागियों के अनु- सभी अन्य विषयों में।
कर्मचारियों की स्वीकृत पेशागियों के दान की स्वीकृत के लिए वह सक्षम है वशांते कि अपेक्षाकारी पेशागियों के विषय में, आपसी भुगतान की अवधि- वर्तन करने का अधिकार में बृद्धि न की गई हो।

75. बाह्य की खरीद के लिए पेशागियां पूर्ण अधिकार/स्थायी पदों पर नियुक्त संस्थान के कर्मचारियों के विषय में मा० पि० नि० 199 से 218 नियमों में निर्धारित मीमा और शर्तों के अधीन।

76. संस्थान से ली गई पेशागी से खरीदी पूर्ण अधिकार, सा० पि० नि० 256 के हुई मोटर गाड़ियों के बेचने और स्था- खण्ड (5) में उल्लिखित विषयों में। नालंदारण को प्राधिकृत करने का अधिकार।

77. बाइक्सिल की खरीद के लिए पूर्ण अधिकार। पेशागी को संस्थान को वापस करने की किसी की संदर्भ को अधिकृतम 24 तक बढ़ाने का अधिकार।

78. याक्षा, स्थानान्तरण इत्यादि के पूर्ण अधिकार, मा० पि० नि० के 231 लिये संस्थान के कर्मचारियों को से 234 नियमों में निर्धारित सी- पेशागी मंजूर करने का अधिकार। माओ और शर्तों के अधीन स्थायी या अस्थायी पदों के धारक संस्थान के कर्मचारियों के विषय में।

79. जिस मुकदमे में संस्थान एक पूर्ण अधिकार। पार्टी हो उसमें पेशागियों की स्वीकृत करने का अधिकार।

80. नकदी, भण्डार इत्यादि की अभियान से भारित, अधीनस्थ अधिकार। कारी के द्वारा निष्पादित किये जाने वाले प्रतिकूल बंधपत्र के फार्म को निर्धारित करने का अधिकार।

81. महत्वपूर्ण त्यौहारों से पूर्व बेतन से पूर्ण अधिकार। पेशागी मंजूर करने का अधिकार।

कोषाशार के नियमों के अन्तर्गत

82. संस्थान के धन की अभियान से पूर्ण अधिकार संबंधित नियम 109 (1) के प्रावधानों से विचलन को प्राधिकृत करने का अधिकार।

टिप्पणी:— 1. कम संख्या 36 से 54 के लिये भूल नियमों में तदनुरूपी प्रावधान देखिये।

2. कम संख्या 55 से 68 के लिये पूरक नियमों में तदनुरूपी प्रावधान देखिये।

3. कम संख्या 69 से 81 के लिये सामान्य विस्तीर्ण नियमों में तदनुरूपी प्रावधान देखिये।

4. कम संख्या 82 के लिये केन्द्रीय कोषाशार नियमों के नियम 109 (2) को देखिये।

5. अनुसूची में उल्लिखित कम संख्याओं के द्वारा प्राकृत न होए कोई भी व्यापार, विनियम 2 पर परिभाषाओं में उल्लिखित भारत सरकार के नियमों में तदनुरूपी प्रावधानों के द्वारा नियन्त्रित होते।

अनुसूची-2

संस्थान में विभिन्न पदों के लिये नियुक्ति, अनुशासनात्मक और अपीलीय प्राधिकारी

क्रम सं० पदों का विवरण

नियुक्ति प्राधिकारी

केन्द्रीय असैनिक सेवाओं के (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपीलीय प्राधिकारी अपील) नियम, 1965 के नियम II के सन्दर्भ में दंडों को प्रदान करने में सक्षम प्राधिकारी और वह जिन दंडों को प्रदान कर सकता है।

अनुशासनात्मक प्राधिकारी

केन्द्रीय असैनिक सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम II के अन्तर्गत दंड

1

2

3

4

5

6

1. वर्ग 'क' के पद

(1) निदेशक

संस्थान (ग्र० भा० आय० सं० के नियम 7 के अधीन)

संस्थान

सभी इस शर्त के अधीन कि दंड (5) से (9) तक केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं प्रदान किये जायेंगे।

(2) प्रत्यक्ष पद

शासी सभा

(ग्र) शासी सभा
(ब) प्रध्यक्ष

सभी दंड
दंड (1) से (4)

संस्थान
शासी सभा

2. वर्ग 'ख' के पद

प्रध्यक्ष

(ग्र) प्रध्यक्ष
(ब) निदेशक

सभी दंड
दंड (1) से (4)

शासी सभा
प्रध्यक्ष

3. वर्ग "ग" के पद

निदेशक

(ग्र) निदेशक

सभी दंड

प्रध्यक्ष

4. वर्ग "छ" के पद

निदेशक

(ग्र) निदेशक
(ग्र), (स) और
(द) में नीचे दिये गये के अतिरिक्त, संस्थान के कर्मचारियों के विषय में उपनिदेशक (प्रशासन)।

सभी दंड
दंड (1) से (4)
निदेशक

(स) चिकित्सा प्रधीक्षक
ग्र० भा० आय० सं० अस्पताल
कर्मचारियों के विषय में।

दंड (1) से (4)
निदेशक

(द) मुख्य संयोजक, शा० दंड (1) से (4)
राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान—
केन्द्र और जब और जैसे संस्थान के द्वारा स्थापित
मुख्य केन्द्रों के प्रधान, संयोजित केन्द्रों में कार्य कर रहे कर्मचारियों के विषय में।

[मि० सं० 1-12/80-81/सा०]

संस्थान के प्राधिकार के द्वारा

एच० डी० टड्डल, निदेशक

अधिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

New Delhi, the 25th July, 1981

G.S.R. 914.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956), the All-India Institute of Medical Sciences, New Delhi, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the All-India Institute of Medical Sciences Regulations, 1958, namely:—

1. (1) These regulations may be called the All-India Institute of Medical Sciences (Amendment) Regulations, 1981.

(2) They shall come into force w.e.f. 1-8-1981.

2. In the All India Institute of Medical Sciences Regulations, 1958, (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,—

(i) after clause (d) the following clauses shall be inserted, namely :—

“(dd) ‘Fundamental Rules’ mean the fundamental rules as applicable to Central Government Servants;

(ddd) ‘General Financial Rules’ mean the General Financial Rules, 1963 framed by the Central Government for financial management and control;”

(ii) After clause (i), the following clauses shall be inserted, namely :—

“(j) ‘Supplementary Rules’ mean the supplementary Rules as applicable to Government servants who are subject to the fundamental rules;

(k) ‘Treasury Rules’ mean the treasury rules of the Central Government.”

3. In regulation 4, of the said regulations,—

(i) for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(3) For an ordinary meeting of the Institute a notice specifying the place, date and time of the meeting shall be given by the Secretary to the members at least two weeks prior to the date of such meeting and under a certificate of posting, if sent by post. The agenda shall also be sent along with the notice of the meeting and where it is not possible, the agenda shall be sent at least ten days before the meeting under a certificate of posting if sent by post.”

(ii) for sub-regulation (9), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(9) The President may include in the agenda at any time before or during a meeting (i) fresh items of business; (ii) items supplementary to those included in the agenda; and such items shall also be taken up for consideration.”

4. For regulation 5 of the regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

“Constitution of the Governing Body.”

5. The Governing Body shall consist of the following eleven (11) members, namely :—

(a) President of the Institute—Chairman.

(b) Director General of Health Services—ex-officio Member.

(c) Representative of the Ministry of Finance—Member.

(d) Director, All India Institute of Medical Sciences.—Member.

(e) One member elected by the members of the Institute from amongst the three members of Parliament elected to the Institute.

(f) Six members to be elected by the members of the Institute from amongst themselves.”

5. In regulation 7 of the said regulations, the words and figure “and in Schedule I as the powers and functions of the Chairman”, shall be omitted.

6. In regulation 8 of the said regulations, (i) for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(1) The Governing Body may meet as often as may be considered necessary by the Chairman for transaction of its business but shall ordinarily meet once in a quarter at such place, date and time as may be decided by the Chairman.”;

(ii) for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(3) An extraordinary meeting of the Governing Body shall be called on a written requisition by at least six members of the Governing Body or by the Chairman”;

(iii) in sub-regulation (6), for the words ‘Four members’ the words ‘Five members’ shall be substituted.

7. In regulation 10 of the said regulations, for sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(3) In the case of Chairman and the members of the Governing Body, and of Standing and ad hoc committees other than those mentioned in sub-regulation (2), travelling allowance and daily allowance shall be paid at the rates to which they are entitled as per rules of the organisation in which they are working or those prescribed from time to time by the Central Government under S.R. 190 and the executive decisions and orders thereunder whichever is more.”

8. In regulation 12 of the said regulations, for sub-regulation (1) the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(1) In addition to the Standing Finance Committee referred to in rule 6, the Institute may constitute other Standing Committees in accordance with sub-section (5) of section 10 of the Act, consisting of a Chairman, a Vice-Chairman and not more than seven other members. The Director shall be a member and ex-officio Secretary of each Committee. The Chairman, the Vice-Chairman, and other members of each committee shall be nominated by the Institute.

9. In sub-regulation (1) of regulation 24 of the said regulations, the words and “Medical Superintendent” shall be omitted.

10. In regulation 27 of the said regulations, (i) for the words and figures “Revised leave Rules, 1933”, at both the places where they occur, the words and figures “Central Civil Services (Leave) Rules, 1972” shall be substituted;

(ii) in the first proviso, the words and figure “for period of 3 years in the first instance” shall be omitted.

11. For regulation 28 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

“(28) Pension and Contributory Provident Fund—

(1) The employees of the Institute, except those on deputation on foreign service to the Institute, appointed on or after 12th Sept. 1975 and such employees as were appointed prior to this date but have specifically opted for the General Provident Fund and Pensionary benefits as applicable to the Central Government employees, shall be governed by the provisions of General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 and the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

(2) The employees of the Institute, except those on deputation on foreign service to the Institute and who were appointed before 12th September, 1975,

and have specifically not opted for the General Provident Fund and Pensionary benefits shall be governed by the Contributory Provident Fund Rules of the Institute as amended from time to time."

12. After regulation 30 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

"30A. Terms of office of Director.

Notwithstanding anything contained in these regulations, the Institute shall, if it is of the opinion that

it is in the public interest to do so, have the right to terminate the term of office of Director at any time before the expiry of his term by giving him a notice of not less than three months in writing or three months' salary and allowances in lieu thereof. The Director shall also have the right to relinquish his office at any time before the expiry of the fixed term by giving to the Institute a notice of not less than three months in writing."

13. For Schedule I and Schedule II, the following Schedules shall be substituted, namely :—

SCHEDULE—I

See Regulations : 3, 6 & 11

Sr. No.	Nature of Powers	Extent of Powers				Remarks
		Director	President	Governing Body	Institute Body	
1	2	3	4	5	6	7
1.	Powers of reappropriation of funds from Sanctioned Budget.)	Full powers	—	—	—	Report on any reappropriation shall be placed before the Governing Body for approval at its subsequent meeting
2.	(a) Write off of loss of irrecoverable value of stores of public money due to fraud etc. (b) Loss of revenue or of irrecoverable advance. (c) Deficiencies and depreciation in value of Stores.	Upto Rs. 2000 in each case	Rs. 10,000 in each case	Rs. 20,000 in each case	Full powers	—
3.	To incur (1) contingent expenditure (ii) or expenditure on the purchase of stores and stationery and printing of forms.	Full powers with- in the sanctioned budget	—	—	—	—
4.	Maintenance of Building and petty works.	—	—	—	—	—
	(a) Original works and special repairs.	Rs. 20,000 in each case sub- ject to maximum of one lakh per year	Rs. 50,000 in each case, sub- ject to a maximum of Rs. 2.5 lakh per year	Full powers	—	—
	(b) Ordinary repairs	Full powers for minor repairs (not annual repairs).	—	—	—	—
	(c) Annual Repairs	Full powers	—	—	—	—
5.	Power to sanction recoverable advances.	Full powers in respect of all officers and employees except himself	In case of Director	—	—	—
6.	Power to sanction advances/ final withdrawal out of the Contributory/General Provident Fund.	Full powers in respect of all officers and employees except himself.	In case of Director	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7
7.	Destruction of official records connected with accounts.	Full powers subject to the conditions laid down in Appendix 13 to the G.F.R.	—	—	—	—
8.	Powers to direct the payment on the last working day of a month the pay and allowances of Employees of the Institute where the first four days of the following month are public holidays.	Full powers	—	—	—	—
9.	Power to order the retention of undisbursed pay and allowances of establishment for any period not exceeding three months.	Full powers	—	—	—	—
10.	To sanction the re-employment of superannuated persons in temporary vacancies.	Full powers in the case of Group C employees upto the age of 60 years, one year at a time.	Full powers in the case of group B Officers upto the age of 60 years, one year at a time.	—	—	—
11.	To retain the Institute employees upto the age of 60 years	Full powers in the case of Group C Officers.	Full powers in the case of Group B Officers.	—	—	—
12.	To allow mileage allowance by a route other than the shortest or the cheapest.	Full powers provided selection of the route is in Institute's Interest.	—	—	—	—
13.	To permit Group 'D' employees to draw next higher class Railway fare when accompanying an officer on train which provides no II Class.	Full powers	—	—	—	—
14.	To decide whether a particular absence is absence on duty within the country.	Full powers for academic purposes	Full powers beyond one month and for one month in all cases other than academic.	—	—	—
15.	To impose restrictions on the exchange of daily allowance for mileage allowance by Group 'C' and Group 'D' employees, travelling in a public or hired conveyance.	Full powers	—	—	—	—
16.	To countersign his own travelling allowance bills and those of other employees.	Full powers	—	—	—	—
17.	To waive proviso (a) to supplementary Rule 209 & to authorise departures from Supplementary Rule 211 regarding combination of Holidays with leave.	Full powers	—	—	—	—
18.	(i) Grant of Casual Leave	Full powers	Casual leave of the director	—	—	—
	(ii) Grant of leave	Full powers for Group B, C, D & not more than four weeks for Group 'A'.	Full powers for Group 'A' for more than 4 weeks and full powers in the case of the Director.	—	—	—
	(iii) Special disability Leave	—	Full powers	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7
19.	To direct that an Officer on leave shall be considered to be in occupation of a residence.	Full powers for the period of original deputation or the period of leave sanctioned.	—	Full powers	—	—
20.	To allot residence	Full powers	—	—	—	—
21.	Power to make appointments to posts (subject to Rule 7).	Full powers	—	—	—	—
	(i) Ad hoc/Temporary	Full powers for Group B, C & D posts. Lecturers and Assistant Professors not exceeding a period of one year.	Full powers for all Group 'A' posts other than Faculty posts. Prof. & Assoc. Prof. for a period not exceeding one year and Lecturers and Asst. Professors for a period exceeding one year.	—	—	—
	(ii) Permanent	Group C & D post	Group B posts.	Group A posts	—	—
22.	Power to confirm Group A & B Officers, after successful completion of the period of probation.	Full powers except in the case of the Director.	—	—	—	—
23.	Powers to accept resignation of Group B employees of the Institute.	Full powers	—	—	—	—
24.	Powers to accept resignation of Group A employees.	Full powers in respect of all Group A Officers except in case of Professors and Associate Professors.	Full powers in case of Director, Professors and Associate Professors.	—	—	In the case of Director subject to ratification by the Institute Body.
25.	Powers to permit the Officers of the Institute while going abroad for attending meetings conferences, seminars, workshops, symposia etc. or for short assignments.	Full powers except in the case of Director on the basis of leave of the kind due and admissible upto the period of 30 days, and that the faculty members concerned receives proper invitations from the sponsors of the meeting etc.	Full powers beyond a period of 30 days in the case of employees and full powers in respect of Director.	—	—	Subject to directions issued by the Central Government from time to time.
26.	Powers for treating the absence as on duty for participation in the International scientific conferences/symposia seminars etc. abroad by the members of the faculty.	Full powers upto a maximum of 15 days inclusive of travel.	Full powers beyond a period of 15 days.	—	—	Subject to directions issued by the Central Government from time to time.
27.	Powers to allow retention of lien in the Institute of employees when they are appointed elsewhere.	Full powers for Group 'C' & 'D' posts upto a maximum of two years. One year at a time.	Full powers for Group 'B' posts.	Full powers Group 'A' posts.	—	—
28.	Powers for fixation of pay of Institute employees under normal Rules.	Full powers	—	—	—	—

1	2	3	4	5	6	7
29.	Powers to permit the Officers of the Institute to go abroad in connection with the work of the Institute and treatment of absence as on duty.	Full powers upto 30 days provided there are no financial implications other than the period spent in connection with the work of the Institute being treated as on duty,	Full powers beyond a period of 30 days.	—	—	Subject to directions issued by Central Government from time to time.
30.	Power to accept Research grant if these are for durations not exceeding 3 years.	Full powers subject to the general policy of Government of India.	—	—	—	—
31.	Power to accept the terms and conditions on foreign service terms in respect of the deputationist of Central/State Government where the terms are of usual nature.	Full powers	—	—	—	—
32.	Power to grant extension of tenure of Senior Residents/ tutors.	Full powers	—	—	—	—
33.	Power to grant advance increments on the recommendations of the Selection Committee.	Full powers upto three advance increments.	Full powers beyond three advance increments.	—	—	—
34.	Power to grant advance increment under F.R. 27 to employees of Research Schemes on their appointment to regular posts in the Institute.	Full powers, on the merit of each case.	—	—	—	—
35.	Power to relax the provision of S.R. 12 where the subsistence allowance to be received is in the nature of daily allowance and no honorarium is involved.	Full powers	—	—	—	Subject to directions issued by the Central Government from time to time.

APPENDIX
(Under the Fundamental Rules of Government of India, as amended from time to time)

Sr. No.	Nature of Power	Extent of Power			Remarks
		Director	President	Governing Body	
1	2	3	4	5	6
36.	To declare an Institute employee to be a ministerial servant.	Full powers	—	—	—
37.	To suspend a lien	Full powers provided that he is authorised to make appointments to the posts on which the lien is held.	Full powers for all other posts.	—	—
38.	To transfer the lien of an institute employee from one post to another.	Full powers provided that he is authorised to make appointments to both the posts concerned.	Full powers for all other posts.	—	—

1	2	3	4	5	6
39.	To transfer an Institute employee from one post to another.	Full powers in the case of Group C & D employees.	Full powers in case of Group B employees.	Full powers in case of Group 'A' employees.	—
40.	Fixation of pay and allowances of an Institute employee treated as on duty under F. R. (9), (6) (b).	Full powers in the case of Group B, C & D employees.	Full powers in the case of Group A employees.	—	—
41.	Counting extra-ordinary leave for increments.	Full powers in the case of Group B, C & D employees.	Full powers in the case of Group A employees.	—	—
42.	Power to reduce the pay of an officiating Government servant.	Full powers in the case of Group B, C and D employees.	Full powers in the case of Group A employees.	—	—
43.	To sanction grant of and to permit acceptance of honorarium.	Full powers upto a maximum of Rs. 500/- in each case. In the case of recurring honoraria, this limit applies to the total of the recurring payments made to an individual in a year. In the case of Group A and Group B employees the matter shall be reported to the Governing Body.	—	—	—
44.	Power to appoint an employee to hold temporarily to officiate in more than one post and to fix the pay of subsidiary posts and the amount of compensatory allowance to be drawn.	Full powers subject to rules applicable to similar to classes of Central Government employees.	—	—	—
45.	To declare the grade of fee paid to part time employees (for purpose of T. A.)	Full powers	—	—	—
46.	To decide the shortest or cheapest of two or more routes.	Full powers	—	—	—
47.	To allow mileage allowance by a route other than the shortest or cheapest.	Full powers provided selection of the route is in Institute's interest.	—	—	—
48.	To decide the point of commencement or end of journey in a station.	Full powers	—	—	—
49.	To declare that an Institute employee whose pay does not exceed Rs. 300/- per mensem, is entitled to lowest class accommodation in a steamer.	Full powers	—	—	—
50.	To declare in case of doubt or hardship the class of steamer accommodation to which an Institute employee is entitled.	Full powers	—	—	—
51.	Power to require a medical certificate of fitness before return from leave.	Full powers	Full powers in the case of Director.	—	—

1	2	3	4	5	6
52.	Extension of leave to cover over-stayal.	Full powers provided that the employees on leave will on return be under the administrative control of the Institute.	Full powers in all other cases.	—	—
53.	To sanction transfer to foreign service in India and to fix the pay in foreign service.	Full powers in respect of Group B, C & D employees, subject to the conditions mentioned in column 5 against Serial No. 30 in appendix 4 of the P & T compilation of Fundamental and Supplementary Rules, Vol. II.	Full powers in respect of Group 'A' employees.	—	—
54.	To decide the date of reversion of Government servant who takes leave before reversion from foreign service.	Full powers	—	—	—

UNDER THE SUPPLEMENTARY RULES OF GOVERNMENT OF INDIA AS AMENDED FROM TIME TO TIME

55.	Power to sanction the undertaking of work for which a fee is offered and the acceptance of a fee.	Full powers	—	—	—
56.	Travel by Air by Officers in relaxation of rules.	Full powers in case of urgency and necessity.	—	—	—
57.	To declare that pay of an Institute employee includes compensation for all journeys by road.	Full powers in the case of Group B, C & Group D employees.	Full powers in case of Group A employees.	—	—
58.	Power to grant exemptions from the rule limiting a halt on tour to ten days.	Full powers upto a limit of 30 days.	Full powers beyond a period of 30 days.	—	—
59.	Powers to fix amount of hire or charges where an Institute employee is provided with means of locomotion at the expense of the Institute etc. but pays all the cost of its use or propulsion.	Full powers	—	—	—
60.	To grant travelling allowance to non-officials attending commission of enquiry etc. and to fix their grade.	Full powers	—	—	—
61.	To declare who shall be controlling officer and to make rules for his guidance.	Full powers, provided an Institute employee is not declared his own controlling officer.	—	—	—
62.	To grant leave other than special disability leave.	Full powers	—	—	—
63.	To grant leave when a medical board has reported that there is no reasonable prospect of the employee being fit to return to duty.	Full powers.	—	—	—

1	2	3	4	5	6
64.	To decide in case of doubt whether a particular employee is serving in a vacation Department.	Full powers	—	—	—
65.	To grant maternity and hospital leave.	Full powers	—	—	—
66.	To permit calculation of joining time by a route other than that which travellers ordinary use.	Full powers	—	—	—
67.	To extend joining time within a maximum of 30 days.	Full powers	Full powers beyond 30 days.	—	—
68.	Authorizing an Institute employee to proceed on duty to any part of India.	Full powers in case of Group B, C, and Group D	Full powers in the case of Group A employees.	—	—
UNDER THE GENERAL FINANCIAL RULES OF THE GOVT OF INDIA AS AMENDED FROM TIME TO TIME					
69.	Powers to alter in the case of clerical errors in the date of birth recorded in the service rolls of Institute employees.	Full powers in case of Group 'C' & 'D' employees	Full powers in the case of Group 'A' and 'B' employees.	—	—
70.	Power to sanction investigation of claims for arrears of pay, etc. which are more than three years but not more than six years old.	Full powers	Full powers in other cases.	—	—
71.	Power to sanction permanent advances in respect of employees other than Director.	Full powers	Full powers in the case of Director.	—	—
72.	Power to issue instructions to subordinate authorities in the matter of contingent expenditure.	Full powers	—	—	—
73.	Disposal of obsolete surplus & Unserviceable stores.	Full powers	—	—	The Director shall act on the advice of the Condemnation Board set up for the purpose by the Institute
74.	Powers to vary the terms of repaying of advances granted to Institute employees in exceptional cases.	Full powers in cases in which he is competent to sanction the grant of advances, provided that in the case of interest bearing advances, the period of repayment not extended.	In all other cases	—	—
75.	Power to sanction advances for purchase of conveyance.	Full powers in the case of Institute employees holding permanent posts, subject to the limits and conditions laid down in Rules 199 to 218 of G. F. R.	—	—	—
76.	Powers to authorise the sale or transfer of motor vehicles purchased with advance from the Institute.	Full powers in cases mentioned in clause (v) of Rule 256 of G. F. R.	—	—	—

1	2	3	4	5	6
77.	Power to extend upto a maximum of 24 the number of Instalments in which an advance granted for the purchase of a bicycle should be repaid to the Institute.	Full powers	—	—	—
78.	Power to sanction advances to Institute employees on tour, transfer etc.	Full powers in case of Institute employees, holding permanent or temporary posts subject to the limits and conditions laid down in Rule 231 to 234 of G.F.R.	—	—	—
79.	Powers to sanction advances for law suit to which Institute is a party.	Full powers	—	—	—
80.	Power to prescribe the form of security bond to be executed by a subordinate authority, entrusted with the custody of cash, stores etc.	Full powers	—	—	—
81.	Power to sanction advances of pay on the eve of important festivals.	Full powers	—	—	—

UNDER THE TREASURY RULES

82.	Power to authorise a departure from the provisions of the rule 109 (1) relating to custody of Institute money.	Full powers	—	—	—
-----	--	-------------	---	---	---

NOTES :—1. For serial Nos. 36 to 54 see corresponding provision in Fundamental Rules.
 2. For Serial Nos. 55 to 68 see corresponding provisions in Supplementary Rules.
 3. For Serial Nos. 69 to 81 see Corresponding provisions in General Financial Rules.
 4. For Serial No. 82 see Rule 109 (2) of Central Treasury Rules.
 5. Any points which are not covered by the Serial Nos. mentioned in the Schedule, will be governed by the corresponding provisions in the Government of India Rules mentioned in the definitions at Regulation 2.

SCHEDULE-II

The Appointing, Disciplinary and Appellate Authority for the various Posts in the Institute

Sr. No.	Description of posts	Appointing Authority	Authority Competent to impose penalties and		Appellate Authority
			penalties which it may impose with reference to rule 11 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965	Disciplinary Authority	
1	2	3	4	5	6
1.	Group 'A' posts (i) Director	Institute (subject to rule 7 of the AIIMS Rules).	Institute	All subject to condition that penalties (v) to (ix) shall not be imposed without the prior approval of the Central Government.	—
	(ii) Other posts	Governing Body	(a)Governing Body (b) President	All penalties Penalties (i) to (iv)	Institute Governing Body

1	2	3	4	5	6	7
2. Group 'B' posts	President	(a) President (b) Director	All penalties Penalties (i) to (iv)	Governing Body President		
3. Group 'C' posts	Director	(a) Director	All penalties	President		
4. Group 'D' posts	Director	(a) Director (b) Dy. Director (Admn)	All penalties Penalties (i) to (iv) in the case of Institute employees other than those provided in (c) & (d) below.	President Director		
		(c) Medical Superintendent in the case of AIIMS Hospital employees.	Penalties (i) to (iv)	Director		
		(d) Chief Organiser, Dr. Rajendra Prasad Centre for Ophthalmic Sciences and chiefs of other centres as and when established by the Institute in the case of the employees working in the Centres concerned.	Penalties (i) to (iv)	Director		

[F. No. 1-12/80-81/Gen]

By the Authority of the Institute

H. D. TANDON, Director All India Institute of Medical Sciences.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहायता विभाग)

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1981

स्ना० ना० नि० 915.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के, परन्तु द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली दुग्ध योजना (अनुसंधान सहायक कार्य प्रब्लेम) भर्ती नियम, 1977 का और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधृत—

- इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली दुग्ध योजना अनुसंधान सहायक (कार्य प्रब्लेम) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।
- ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होंगे।
- दिल्ली दुग्ध योजना अनुसंधान सहायक भर्ती नियम, 1977 की प्रनुसारी में—

क. स्थान 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि अस्त: स्थापित की जाएगी, अधृत:—

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

दिल्ली दुग्ध योजना के ऐसे प्रधिकारियों में से, जो 425-700, 550-750 और 550-800 रु के वेतनमान में पद भारण किए हुए हैं और जिन्होंने उक्त श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है, और जिनके पास—

- किसी माध्यताप्राप्त विविधालय की उपाधि या उसके समतुल्य है।
- जिन्होंने उपयुक्त वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
- संविधालय प्रशिक्षण संस्थान का प्रधारिक प्रबन्ध सेवा पाठ्यक्रम या किसी माध्यताप्राप्त संस्था का सदृश प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है या करते के पास है।

स्वाक्षरण

यदि किसी ऐसे प्रधिकारी का चयन कर किया जाता है जिसने उक्त पाठ्यक्रम पूरा नहीं किया है तो उससे यह अवैध की जाएगी कि वह उक्त पाठ्यक्रम को यथार्थीत्व पूरा करके और उसका उत्त पद पर

लगतार बने रहता इस वर्ष के अधीन रहते हुए होगा कि वह उक्त पाठ्यक्रम को अपनी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है।

प्रतिनियुक्ति की मन्त्रिता सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक महीं होगी।

[सं० 3-31/78-एलडी 1]
के० उच्चीलियप्पन,
निदेशक डी० डी०

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 22nd September, 1981

G.S.R. 915.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Delhi Milk Scheme (Research Assistant Work Study) Recruitment Rules, 1977 :—

- These rules may be called the Delhi Milk Scheme Research Assistant (Work Study) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.
- They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the schedule to Delhi Milk Scheme Research Assistant Recruitment Rules, 1977.
- In column 11 for the entry the following entry shall be substituted, namely.

Transfer on deputation :

From amongst the officers holding the post in the pay scales of Rs. 425-700, 550-750 and 550-800 with 5 years regular service in the said grade in Delhi Milk Scheme, who shall have :—

- A degree of an recognised University or its equivalent.
- rendered at least 5 years regular service in the above scales.
- Completed successfully or be eligible to undergo the Basic Management Service Course of the

Institute of Secretariat Training or a comparable training in any other recognised institution.

Explanation

If an officer who has not already undergone the said course is selected, he shall be required to undergo the said course at the earliest and his continued retention in the post shall be subject to the condition that he completes the

said course successfully within one year of the date of his appointment.

(Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).

[No. 3-31/78-IDI]
K. UPPILLIAPPAN, Director (DD)

नई विली, 22 सितम्बर, 1981

सांकेतिक 916.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, और हाथी और सहकारिता विभाग (सहायक आयुक्त) भर्ती नियम, 1980 को उन बातों के मिवाय अधिकार करने हुए जिन्हें ऐसे अधिकारियों के पूर्वे किया गया है या करने का लोप किया गया है, हाथी मिलालय (हाथी और सहकारिता विभाग) में सहायक आयुक्त के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथमः—

1. संविधान नाम और प्रारम्भः—(1) इन नियमों का संविधान नाम हाथी और सहकारिता विभाग (सहायक आयुक्त) भर्ती नियम, 1981 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:—ये नियम इससे उपाय अनुसूची के स्तरम् 1 में विनिर्विष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमानः—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 में विनिर्विष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तरम् 3 से 14 में विनिर्विष्ट हैं।

5. विरहताएः: वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(क्क) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञा है और ऐसा करने के लिए अन्य आदार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. विधिय करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ सोशल सेक्वेन्योग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपर्यन्त को किसी बर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेदन द्वारा विधिय करना अपेक्षित है।

7. व्यावृति:—इन नियमों को कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य विवायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों और अन्य विवेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपर्यन्त करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पर्वों की गं. १	वर्गीकरण	वेतनमान	उक्त पद पर प्रधान पद	सोधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वैक्षिक "प्रीर फायदा केन्द्रीय सम्म अर्हताएँ सिविल सेवा (पैदान) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञा है या नहीं
-----------	-----------------	----------	---------	----------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	6क	7
सहायक आयुक्त	6	साधारण केन्द्रीय	1100-50-1600 रु०	चयन	लागू नहीं होता	नहीं	लागू नहीं होता
(क) वैक्षिक विवाहर वाली फिर्म कार्यक्रम	2	सेवा समूह 'क'					
(क्क) बारानी जेती	1						
(ग) मकानी फसल	2						
(घ) मूल्यांकन और मनिटर करना	1						

सीधे भर्ती किए जाने परिवेश की बातें व्यक्तियों के लिए अवधि, यदि कोई विहित भावुकी नहीं हो। शैक्षक भर्तीतार्द प्रोफेसियल की बात में लागू होगी या नहीं।

भर्ती के पद्धति/भर्ती सीधे होनी या प्रोफेसियल द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा सभी विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की बात में वे श्रेणियां विसर्जित/प्रोफेसियल/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

प्रोफेसियल प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय, प्रोफेसियल विभिन्न प्रोफेसियल/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

भर्ती करने में किसी परिस्थितियों में संबंधित समिति है तो उसकी संलग्नता लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

9

10

11

12

13

14

लागू नहीं होता	दो वर्ष	25 प्रतिशत प्रोफेसियल द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अंतर्गत अल्यावधि संविदा भी है) 75 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अल्यावधि संविदा भी है)	प्रोफेसियल निवेशक (प्रशिक्षित पैदावार वाली किस्म कार्यक्रम) तथा सहायक निवेशक (प्रगति) जिन्होंने अपनी अपनी श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है; और 2. सहायक निवेशक (फसल) जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है और जो हृषि में, कम से कम उपाधि रखते हैं।	समूह 'क' विभागीय प्रोफेसियल समिति में नियमित होने, प्रथमता:— 1. अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग —अध्यक्ष 2. हृषि आयुक्त —सदस्य 3. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य पुस्तिकारण पर विचार के लिए समूह 'क' विभागीय प्रोफेसियल समिति 1. हृषि आयुक्त —अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) —सदस्य 3. उप सचिव (प्रशासन) —सदस्य दिव्यण:—उपरोक्त हृषि में उपाधि भर्ती हन पदों के अंतर्गत आरकों को लागू नहीं होती। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत मूल्यावधि संविदा भी है)। केन्द्रीय/राज्य सरकारों, हृषि विषय-विद्यालयों और भारतीय हृषि अनुसंधान परिषद में सदृश्य पद घारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 700-1300/650-1200 हूँ या समतुल्य बेतन-मान वाले पदों पर कमातः 5/8 वर्ष की सेवा की है। उनके पास विभिन्न विभिन्न पदों के लिए अधिकारी या अधिकारी विभिन्न पदों के लिए शैक्षिक अद्यताएँ:
			<p>हृषि में वी०एस०सी० की उपाधि के साथ हृषि विभाग की किसी शाखा में किसी मास्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य।</p> <p>ब. विभिन्न पदों के लिए अनुभव :</p> <p>(1) सहायक आयुक्त (प्रशिक्षित पैदावार) वाली किस्म कार्यक्रम के 2 पदों के लिए:</p> <p>सबसे जिला कार्यक्रम के संबंध में कार्य का 5 वर्ष का अनुभव जिसके अंत-</p>	

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

गंत अधिक पैदावार
बाली किस्म कार्बोक्स भी
है।

(2) सहायक आयुक्त (बारानी
खेती) के एक पद के
लिए :
बारानी खेतों में बारानी खेती
प्रायोगिकी के अनुसंधान
और या विकास का 5
वर्ष का अनुभव।

(3) सहायक आयुक्त (मुक्ती
फसल) के 2 पदों के
लिए :
कृषि विकास का विस्तार
या नक्षी फसलों के लोक
में अनुसंधान कार्य का
5 वर्ष का अनुभव।

(4) सहायक आयुक्त (मूर्यांकन
और मानिटर कला) के
एक पद के लिए :
परियोजना के मानिटर
करने और मूर्यांकन
का 5 वर्ष का अनुभव,
विशेषतया तिलहन फसलों
के मानिटर करने के
संबंध में।
(प्रतिनियुक्ति की अवधि
5 वर्ष से अधिक नहीं
होती)

[सं० 12018/7/72-स्था-5]
ए०प्रा० जैन, अव० सौभाग्य

New Delhi, the 22nd September, 1981

G.S.R. 916.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution and in supersession of the Department of Agriculture and Cooperation (Assistant Commissioners) Recruitment Rules, 1980 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Assistant Commissioners in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Agriculture and Cooperation (Assistant Commissioners) Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scale of pay attached thereto, shall be specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

5. Disqualification: No. person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving:—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation or age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection	Age Limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Assistant Commissioners.	6	General Central Service Group	Rs. 1100-50-1600	Selection.	Not Applicable	No	Not applicable
(a) High Yielding Varieties Programme.	2	'A' Gazetted					
(b) (Dry Farming).	1						
(c) (Cash Crops).	2						
(d) Evaluation & Monitoring).	1						

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable.	2 years.	25% by promotion, failing which by transfer on deputation (including short-term contract), 75% by transfer on deputation (including short-term contract).	Promotion: (i) Assistant Director (High Yielding Varieties Programme) and Assistant Director (Progress) with 5 years' regular service in the respective grade and (ii) Assistant Director (Crops) with 8 years' regular service in the grade and possessing atleast a degree in Agriculture. Note:—The above qualification of degree in Agriculture would not apply in the case of existing incumbents of posts in the field of promotion. Transfer on deputation (including short-term contract):— Officers of the Central/State Governments, Agricultural Universities	Group (A) Departmental Promotion Committee comprising: 1. Chairman or Member Union Public Service Commission —Chairman. 2. Agricultural Commissioner— Member. 3. Joint Secretary (Admn.)— Member.	The Commission shall be consulted in making selection and in relaxing/ amending any provision of these rules.

and Indian Council of Agricultural Research holding analogous posts or with 5/8 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 Rs. 650-1200 or equivalent, respectively. They should possess the following educational qualifications and experience:—

A—Educational qualifications for all posts:

B.Sc degree in Agriculture followed by a Master's degree in any branch of Agricultural Science from a recognised University or equivalent.

B—Experience required for various posts.

(i) For 2 posts of Assistant Commissioner (HYVP):—

5 years' experience in work relating to Intensive Agricultural District Programme, including High Yielding Varieties Programme.

(ii) For 1 post of Assistant Commissioner (Dry Farming):—

5 years' experience in research and/or development of dry farming Technology in rain-fed areas.

(iii) For 2 posts of Assistant Commissioner (Cash Crops):

5 years' experience in Agricultural Development or Extension or Research work in the field of Cash Crops.

(iv) For one post of Assistant Commissioner (Evaluation and Monitoring):—

5 years' experience in Monitoring and Evaluation of Projects with particular reference to Oilseeds Crops.

(Period of deputation shall not exceed 5 years).

Group 'A'
Departmental
Promotion
Committee
(for considering cases of confirmation)—

1. Agricultural
Commissioner
—Chairman.

2. Joint
Secretary
(Admn.)—
Member.

3. Deputy
Secretary
(Admn.)—
Member.

Note: The proceeding of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

[NO. A.12018/7/72-ESTT.V]
A. R. JAIN, Under Secy.

नियमण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मित्तम्बर 1981

सांख्यात्मक 917.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विकास प्रबन्धितम, 1957 (1957 का 61) की धारा 56 की उपधारा (2) के अन्दर (न) और (द) के साथ पड़ि। उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रबोध करते हुए, प्राधिकरण से परामर्शी करके दिल्ली विकास (प्रकोणी) नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकारी:—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली विकास (प्रकोणी) संशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारी बातें प्रबुद्ध हैं।

2. दिल्ली विकास (प्रकोणी) नियम, 1959 में:—

(क) "श्रेणी 1", "श्रेणी 2", "श्रेणी 3", और "श्रेणी 4" शब्दों और अन्य के स्थान पर जहां कहीं वे आते हैं, क्रमशः "समूह

क", "समूह ब", "समूह ग" और समूह घ" शब्द और अन्य रखे जाएँ।

(ख) नियम 3 और शीर्षक के स्थान पर, निम्नलिखित शीर्षक और नियम रखे जाएँ, अधारत:—

"कर्मचारियम्" की नियुक्ति पर नियन्त्रण और नियन्त्रन"

3. (1) प्राधिकरण के अधीन पदों का सचिव और मुख्य लेखा अधिकारी के पदों को छोड़कर, निम्न प्रकार से वर्गीकरण किया जाएगा:—

समूह-क जिसका वेतन या वेतनमान प्रधिकरण 1300 रुपये प्रतिमास से कम नहीं है।

समूह-ब जिसका वेतन या वेतनमान प्रधिकरण 900 रुपये प्रतिमास से कम नहीं है किन्तु 1300 रुपये प्रतिमास से कम है।

समूह-ग जिसका बेतन या बेतनमान अधिकतम 290 रुपये प्रतिमास से अधिक किन्तु 900 रुपये प्रतिमास से कम है।

समूह-ष जिसका बेतन या बेतनमान अधिकतम 290 रुपये प्रतिमास या उससे कम है।

परन्तु:—

(क) किन्तु ऐसे पदों का जिसका सूजन 1 जनवरी 1973 से पूर्व बिद्युतमान काड़ों में, विनिर्दिष्ट परिवर्तन के रूप में पुनरीक्षित बेतनमान में 1 जनवरी 1973 को या उसके पश्चात् किन्तु विद्युतीय विकास (प्रकारण) संशोधन नियम, 1981 के जारी करने की तारीख से पहले किया गया है वर्तीकरण उसी प्रकार का होगा जैसा काड़ों के उन पदों का है, जिनमें वे जोड़े गए हैं; और

(ख) ऐसा कोई प्रम्य पद जो 1 जनवरी 1973 को या उसके पश्चात् किन्तु इन नियमों के प्रवर्तन में पूर्व पुनरीक्षित बेतन मान में सूजित पदों के असर्वत नहीं आता है और जिसका वर्तीकरण इन नियमों में परिवर्तित से उच्चतर है, इन नियमों के अनुसार किन्तु ऐसे पदों के बेतनमान प्रदर्शनियों की प्राप्तिकालीन प्रतिकूल प्रभाव डाले जिन पुनरीक्षित किया जाएगा।

(2) समूह-क में कोई पद, जाहे वह प्रस्थायी हो या स्थायी प्राधिकरण द्वारा, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, सूजित नहीं किया जाएगा।

(3) उप नियम (2) में अन्तिमिष्ट किसी बात के हाते हुए भी प्राधिकरण समूह-क में ऐसे पद का सूजन कर सकेगा जिसका अधिकतम बेतन या बेतनमान 2000 रुपए प्रतिमास से अधिक न हो : परन्तु:—

(क) इस प्रकार सूजित कोई पद उस विस्तीर्ण वर्ष की समाप्ति पर, जिसमें इसका सूजन किया गया या व्यपत रहे जाएंगा, जब तक कि वह प्रवर्धित केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन में उक्त विस्तीर्ण वर्ष के बाद तक बहा नहीं दी जाती है;

(ख) कोई भी ऐसा पद, प्राधिकरण के बिना और लेखा सदस्य की सहमति के सिवाए प्राधिकरण द्वारा सूजित नहीं किया जाता है,

(ग) ऐसे पदों का सूजन करने की शक्ति, प्राधिकरण द्वारा, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, अपने किसी पदधारी को पूर्व अनुमोदन के बिना, अपने किसी पदधारी को प्रत्यायोगिता नहीं की जाती है या भूतलक्षी प्रभाव से उमका उपयोग नहीं किया जाता है,

(घ) किन्तु तकनीकी पदों का सूजन करने से पूर्व ऐसे पदों की अपेक्षाएँ निम्नलिखित कार्यभार-मान के आधार पर निर्धारित की जाती हैं: प्रथात्:—

(i) संकरों की प्रकृति सिविल संकरों से सम्बद्ध प्रधाव का कार्यभार	विद्युतीय संकरों से सम्बद्ध प्रधाव का कार्यभार
नियमित संकरे 9.8 लाख रुपये प्रति वर्ष	60 लाख रुपये प्रति वर्ष
अनुसंधान संकरे 3.7 लाख रुपये प्रति वर्ष	20 लाख रुपये प्रति वर्ष

(ii) माध्यमिक एवं अधीक्षित इंजीनियर के नियन्त्रणाधीन चार प्रभाग रखे जाते हैं।

(iii) मुख्य इंजीनियर का एक पद 15 से 16 करोड़ रुपए प्रति वर्ष के पूर्वानुमानित कार्यभार के लिए संभूर किया जाता है। इसके प्रतिरिक्षित नियवण की उस प्रवधि के बारे में भी विवाद किया जाता है, जिसके भीतर मुख्य इंजीनियर नियन्त्रण का प्रयोग करेगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय लोक नियमित विभाग, उस विभाग के नियन्त्रणाधीन नियांशित किए जाने वाले संकरों की वावत कोई विष कार्यभार-मान अभी-कृत करता है तो प्राधिकरण केन्द्रीय लोक नियमित विभाग द्वारा विहित तत्समय मानो का अनुमोदन करेगा।

(क) ऐसे पदों का सूजन करने से पूर्व, उस समय प्रबुत्त केन्द्रीय सरकार के वित मंत्रालय द्वारा जारी किए गए तत्समय प्रबुत्त मित्यानिता अनुबोध को व्याप में रखा जाता है।

(4) प्राधिकरण समूह-क के पदों पर नियुक्त उन विनियमों के अनुसार ही करेगा, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसी नियुक्तियों से पूर्व अनुमोदित किए जाए और समूह-क के ऐसे पद पर जिसका बेतन या बेतनमान में अधिकतम बेतन 2000 रुपए से अधिक है ऐसी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, प्राधिकरण द्वारा की जाती है।

[फा० स० के०-11011/21/78-झ०झ०-II-झ०] जो० एस० समव, उप सचिव,

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 917.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 56 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) read with clauses (d) and (r) of sub-section (2) of that section, the Central Government, in consultation with the Authority, hereby makes the following rules further to amend the Delhi Development (Miscellaneous) Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Delhi Development (Miscellaneous) Amendment Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Development (Miscellaneous) Rules, 1959—

(a) for the words and figures, "Class-I", "Class-II", "Class-III" and "Class-IV" wherever they occur the words and figures "Group-A", "Group-B", "Group-C" and "Group-D" shall respectively be substituted;

(b) for rule 3 and its heading the following heading and rule shall be substituted, namely:—

"CONTROL AND RESTRICTION ON APPOINTMENT OF STAFF"

3. (1) The posts under the Authority other than those of the Secretary and Chief Accounts Officer shall be classified as follows:—

Group-A: Pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 1,300 per month;

Group-B: Pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 900 per month but less than Rs. 1,300 per month;

Group-C: Pay or a scale of pay with a maximum of over Rs. 290 per month but less than Rs. 900 per month;

Group-D: Pay or a scale of pay the maximum of which is Rs. 290 per month or less.

Provided that—

(a) the classification of any posts created on or after the 1st January, 1973 in the revised scale but before the date of issue of the Delhi Development (Miscellaneous) Amendment Rules, 1981, as specific additions to cadres existing prior to the 1st January, 1973, shall be the same as that of posts in the cadres to which they have been added; and

(b) any other posts not covered by (a) created in the revised scale of pay on or after the 1st January, 1973 but before the enforcement of these rules having a classification higher than the one envisaged in these rules, shall be reclassified in terms of these rules but without prejudice to the status of the existing incumbents of such posts.

(2) No post in Group 'A', whether temporary or permanent, shall be created by the Authority without the prior approval of the Central Government.

(3) Not withstanding anything contained in sub-rule (2), the Authority may create a post in Group 'A' carrying a pay or scale of pay with a maximum pay of not more than Rs. 2000 per month:

Provided that—

- (a) a post so created shall lapse on the expiry of the financial year in which it was created unless the period is extended beyond the said financial year with the prior approval of the Central Government;
- (b) no such post is created by the Authority except with the concurrence of the Finance and Accounts Member of the Authority;
- (c) the power to create such posts is not delegated by the Authority to any of its officials without the prior approval of the Central Government, or is not used with retrospective effect;
- (d) before creating any technical posts the requirements of such posts are assessed on the basis of the following workload norms namely:—

(i) Nature of works	Workload of a Division handling civil works	Workload of a Division handling electrical works
Construction work	Rs. 98 lakhs per annum	Rs. 60 lakhs per annum
Maintenance work	Rs. 37 lakhs per annum	Rs. 20 lakhs per annum

(ii) Normally four Divisions are placed under the control of a Superintending Engineer.

(iii) The post of a Chief Engineer is sanctioned for an anticipated workload of 15 to 16 crores of rupees per annum. Besides the span of control that a Chief Engineer has to exercise is also taken into consideration:

Provided that if the Central Public Works Department adopts different workload norms in respect of the works executed under the control of that Department, the Authority shall follow the norms for the time being in force prescribed by the Central Public Works Department.

(c) the economy instructions issued by the Central Government in the Ministry of Finance, for the time being in force are kept in view before creating such posts.

(4) The Authority shall make appointments to posts in Group 'A' only in accordance with the regulations approved by Central Government prior to such appointments and no such appointment to a post in Group 'A' carrying pay, or a scale of pay with a maximum of pay of more than Rs. 2000 is made by the Authority without the prior approval of the Central Government."

[F. No. K-11011|21|78|DDIIB]

A. SAMAD, Dy. Secy

पूर्ति और पुनर्वास भवालय

(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर 1981

ता. ०३०००००००००१८—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और पूर्ति तथा निपटाम महानिवेशालय (मुख्यालय) नई दिल्ली (ब्लॉक 4 पद) भर्ती नियम, 1977 का अधिकारण करते हुए, राष्ट्रपति, एतवारा पूर्ति तथा निपटाम महानिवेशालय के मुख्यालय, नई दिल्ली के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम अनाते हैं प्रथमतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रकल्प—ये नियम पूर्ति तथा निपटाम महानिवेशालय के मुख्यालय, नई दिल्ली (मुख्य 'की' पद) भर्ती नियम, 1981 कहे जायेंगे।
2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू भाने जायेंगे।
3. लागू होता—ये नियम संलग्न भ्रमुक्षी के स्तम्भ 1 में विभिन्न पदों के लिए लागू होंगे।
4. संक्षय, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पदों की संक्षय, उभका वर्गीकरण और वेतनमान ये होंगे, जो कथित भ्रमुक्षी के स्तम्भ 2 से 4 तक में विविदिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, भाग्य सीमा, अन्य अहंताएं प्राप्ति—भर्ती की पद्धति, भाग्य सीमा, अहंताएं और तस्वीरधी अध्य वातं वे होंगी, जो उपर्युक्त भ्रमुक्षी के स्तम्भ 3 से 13 में विभिन्निष्ट हैं;

5. व्यवहारी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों पर होमगार्ड का प्रशिक्षण देने का वायित्व—इन नियमों में वी गई वातां के होते हुए भी, इन नियमों के प्रधीन व्यवहारी के रूप में नियुक्त, प्रत्येक व्यक्ति को तीन वर्ष का होमगार्ड प्रशिक्षण देना होगा।

वातां कि कमांडेंट जनरल होमगार्ड द्वारा प्रशिक्षण की प्रविधि के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा लिए गए प्रशिक्षण के कार्य और उसके स्तर को ध्यान में रख कर उस प्रविधि को कम करने का क्षेत्र तक किया जा सकता है।

6. अनहंताएं—ऐसा कोई भी व्यक्ति, उक्त पद पर नियुक्त का पाल नहीं होगा।

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित है, अवधा
- (ख) जिसने भ्रमी पत्नी/पत्ने पति के जीवित रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया हो,

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति पर और जिस व्यक्ति से विवाह किया जाता है, उस पर लागू होने वाला नेजी कानून के प्रस्तावित ऐसे विवाह की अनुमति है और यदि ऐसा करने के अन्य भाषाएँ हैं, तो वह इस नियम के प्रवर्तन से किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।

7. शिथिल करने की याकिं —जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसे करना भावशक्त या समीक्षित है, वहाँ वह सावेद्र द्वारा और लिखित रूप में घंटित किए जाने वाले अंकरणों से किसी भी बर्ग या अविकल्पों के नमूने के बारे में इन नियमों में से किसी को भी शिथिल कर सकती है।

8. अंतः—

इन नियमों को कोई भी भाव एसे भारतीयों, आयु सीमा में छुट और अन्य विवाहितों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सकार यारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आवेदनों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुचित जन जातियों और अन्य विवेश प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपचार करना अपेक्षित है।

परमात्मा

पद का नाम	पदों का संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रबंधन पद अवधि वा अपवरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए शीघ्रणिक तथा मन्त्र महंताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. मर्शीन मम भट्टेंडेट	1 विभिन्नता कार्यसार	मामात्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप डी अंतर्राजपत्रित प्रतिविकारीय	200-3-206-4- 234-२०८०- 4-250८०	अपवरण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2. सेनेदरी इन्सपैक्टर	1 विभिन्नता कार्यसार	सामात्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप डी-अंतर्राजपत्रित प्रतिविकारीय	210-4-200- ८०८०-५-२७० ८०	प्रप्रबंधन	लागू नहीं होता	प्रतिवार्यः भिडिल स्कूल स्तर

यथा सीधी भर्ती वालों
के लिए लिहित धार्य
और भौतिकियां मरहाताएं
परिवेश की वाया में
लाग होती

भर्ती की पद्धति व्या भर्ती सीधी होनी या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा होनी भीर विविध पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिपद्धति/प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती की व्या पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति किया जाएगा।

कित्स/स्थानान्तरण क्या विभागीय प्रबोधन है तो
मैंने को श्रेष्ठ जिनसे समिति विभागान है तो
कित्स/स्थानान्तरण उसकी संरचना क्या है

वे परिस्थितिया जिनमें
संघ सोक सेवा आयोग
से भर्ती के लिए परा-
मर्श किया जाएगा

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	चपरासी के प्रेष से इस प्रेष में पूप 'डी' के लिए विभागीय लागू नहीं होता कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात नियमित प्राप्ति पर नियुक्ति पदोन्नति समिति को नियन्त्रित संसद्या होती ;		
प्रायः ही शैक्षणिक अहंता नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा जिसके न होने फराश, सफाईवाला और औकी-वार के भेड़ों से इस प्रेष में कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात इसमें नियमित प्राप्ति पर नियुक्ति और मिडिल स्कूल स्तर तक का ज्ञान ।	पदोन्नति के मामलों में लागू नहीं होता पूप 'डी' की विभागीय पदोन्नति समिति । सीधी भर्ती वालों पर लागू नहीं होता ।	1. पू०नि० महा० से संबंधित उप निवेशक (प्रशासन) — अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्रशासन) निर्माण और आवास-संवालय — संवस्य 3. एक सहायक निवेशक (निरीक्षण) पू०नि० महा० — संवस्य 4. उप निवेशक (प्रौद्योगिकी) पू०नि०महा० — संवस्य 5. पू०नि०महा० से संबंधित अनुभाग अधिकारी — संवस्य	

1	2	3	4	5	6	7
3. दातरी (प्रश्नग्रेड)	21 (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	सामान्य केन्द्रीय सेवा युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेगी।)	210-4-250- ८०८०-५-२७० ८०	अप्रबरण अप्रबरण अप्रबरण पर निर्भर करेगी।)	लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
4. गैस्टेटनर आपरेटर (फलाइट ग्रेड)	8 (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	सामान्य केन्द्रीय सेवा युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेगी।)	210-4-250- ८०८०-५-२७० ८०	अप्रबरण अप्रबरण अप्रबरण पर निर्भर करेगी।)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
5. मुख्य अमावास्या (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	3 (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	सामान्य केन्द्रीय सेवा युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेगी।)	200-3-206-1- २३४-८०८०-४ २५० रु०	अप्रबरण अप्रबरण अप्रबरण पर निर्भर करेगी।)	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
6. अमावास्या (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	3 (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	सामान्य केन्द्रीय सेवा युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेगी।)	200-3-206-4- २३४-८०८०-४ २५० रु०	अप्रबरण अप्रबरण अप्रबरण पर निर्भर करेगी।)	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
7. दफ्तरी (सामान्य ग्रेड)	84 (विभिन्नता कार्यभार पर निर्भर करेगी।)	सामान्य केन्द्रीय सेवा युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेगी।)	200-3-206-4- २३४-८०८०-४- २५० रु०	अप्रबरण अप्रबरण अप्रबरण पर निर्भर करेगी।)	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	दफ्तरी (सामान्य ग्रेड) से इस उपरोक्त कम सं० 1 में दी लागू नहीं होता ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात उस ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्ति।	-वही-	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	दफ्तरी ('सामान्य ग्रेड') और जमावार से इस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात उस ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्ति।	-वही-	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	जमावार के ग्रेड से इस ग्रेड में उपरोक्त कम सं० 1 में दी लागू नहीं होता कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात उस ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्ति।	-वही-	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	चपरासी के ग्रेड से इस ग्रेड में उपरोक्त कम सं० 1 में दी लागू नहीं होता कम से कम तीन वर्ष की सेवा के पश्चात उस ग्रेड में नियमित प्राधार पर नियुक्ति	-वही-	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	-वही-	-वही-	-वही-

1	2	3	4	5	6	7
8 फेंकिंग मशीन प्रापरेटर	1 मामान्य केन्द्रीय सेवा (विभिन्नता युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेंगी।)	210-4-250- द०रो०-५-२७० ८०	प्रपत्रण	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
9. अपगमी	184 मामान्य केन्द्रीय सेवा (विभिन्नता युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेंगी।)	196-3-220- द०रो०-३-२३२ ८०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी मिश्न रूल स्तर किए अनुदेश या आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों की 35 वर्ष तक की छूट।)	प्रनिवार्यः प्राइमरी स्कूल स्तर	
10 स्पर्जन	1 मामान्य केन्द्रीय सेवा (विभिन्नता युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेंगी।)	196-3-220- द०रो०-३-२३२८० ८०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच	वार्षीय प्राइमरी स्कूल स्तर	
11 फराश	27 मामान्य केन्द्रीय सेवा (विभिन्नता युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेंगी।)	196-3-220- द०रो०-३-२३२ ८०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच	वार्षीय प्राइमरी स्कूल स्तर	
12 चौकोवार	39 मामान्य केन्द्रीय सेवा, (विभिन्नता युप 'डी' अराजपत्रित कार्यभार अलिपिकीय पर निर्भर करेंगी।)	196-3-220- द०रो०-३-२३२ ८०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच	वार्षीय प्राइमरी स्कूल स्तर	

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा	शतरी (सामान्य प्रेष) के प्रेष उपरोक्त क०सं० 1 में थी से इस प्रेष में कम से कम गई जही टिप्पणी तीन वर्ष की सेवा के पश्चात उस प्रेष में नियमित भाष्यार पर नियुक्ति और मशीन का संचालन और चलाने का कान।	लागू नहीं होता	
लागू नहीं होता]	2 वर्ष	(1) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती स्पैजमैन, फराश, चौकोवार और लागू नहीं होता द्वारा (2) 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा।]	सफाईशाला के प्रेष से स्था- पानशरण और इस प्रेष मे- 5 वर्ष की सेवा और प्रारंभिक साकरता ही तथा मधेजी या हिम्मी या क्षेत्रीय भाषाओं को पढ़ने की क्षमता हो।	लागू नहीं होता	
-वही-	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
-वही-	2 वर्ष	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
-वही-	2 वर्ष	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-

1	2	3	4	5	6	7
13 मकाईयाला	30	मामाल्य केन्द्रीय मेका (विभिन्नता ग्रूप 'ही' प्रशासनपत्रिका कार्यभार अनियन्त्रित पर नियंत्र करेगी।)	196-3-220- द०२०१०-३-२३२	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के भीच	बाठनीय: प्राक्षमरी स्कूल स्कर
लागू नहीं होता	2 वर्ष	संघीय भर्ती होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
8	9	10	11	12	13	

[सं० ए-12034 35/75-स्था० 2]

सी० एम० रामन, अध्र सचिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(Department of Supply)

New Delhi, the 9th September, 1981

G.S.R. 918.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Directorate General of Supplies and Disposals at Headquarters Office, New Delhi (Class IV posts) Recruitment Rules, 1977, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of Group D posts in the Office of the Director General of Supplies and Disposals at Headquarters Office, New Delhi, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate General of Supplies and Disposals at Headquarters Office, New Delhi (Group D Posts) Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in Column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in Columns 5 to 13 of the said Schedule.

5. Liability of Persons appointed peons to undergo training as Home Guards.—Notwithstanding anything contain-

ed in these rules, every person appointed as a peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years.

Provided that the Commandant General, Home Guards, may having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years for reasons to be recorded in writing.

6. Disqualification.—No person—

(a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

7. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order and for reason to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

8. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
1. Machine room Attendant.	1 (Subject to variation dependent on work load)	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250	Non-selection	Not applicable	Not applicable	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.

Period of probation, if any

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/transfers grades from which promotion/deputation/transfer to be made

If a DPC exists what is its composition

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion	From the grade of peon with at least 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'D' DPC consisting of the following: 1. Deputy Director (Administration) concerned, DGS & D—Chairman. 2. Under Secretary (Administration) Ministry of Works & Housing—Member. 3. One Assistant Director (Inspection) DGS & D—Member. 4. Deputy Director (Supplies) D G S & D—Member. 5. Section Officer concerned in DGS & D—Member.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
2. Sanitary Inspector.	1 Subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 210-4-250- EB-5-270.	Non selection.	Not applicable	Essential: Middle School Standard
3. Daftry (Selection Grade).	1 Subject to variation dependant on work load	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 210-4-250- EB-5-270.	Non selection.	Not Applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Age : No Educational qualification : Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	From the grades of Farash, Safaiwalas and Chowkidars with at least 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing Middle School Standard.	Group 'D' DPC in promotion cases: Not applicable in case of direct recruitment.	Not applicable.
Not applicable	2 years	By promotion	From the grade of Daftry (OG) with at least 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
4. Gestetner Operator (Junior Grade).	8 Subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 210-4-250- FB-5-270.	Non Selection.	Not Applicable.	Not Applicable.
5. Security Jamadar.	3 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 200-3-206- 4-234-EB-4-250.	Non Selection.	Not Applicable.	Not Applicable.
6. Jamadar.	3 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 200-3-206- 4-234-EB-4-250.	Non Selection.	Not Applicable.	Not Applicable.
7. Daftry (O-G).	84 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 200-3-206- 4-234-EB-4-250.	Non Selection.	Not Applicable.	Not Applicable.
8. Franking Machine Operator	1 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 210-4-250- FB-5-270.	Non Selection.	Not Applicable.	Not Applicable.

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years.	By promotion.	From the grade of Daftry (OG)* and Jamadar with atleast 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By promotion.	From the grade of Chowkidars with atleast 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By promotion.	From the grade of peons with atleast 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By promotion.	From the grade of peon with atleast 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.
Not applicable	2 years.	By promotion.	From the grade of Daftry (OG)* with atleast 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and having knowledge of operating and running the machine.	Same remarks as stated against Serial No. 1 above.	Not applicable.

*OG—Ordinary Grade.

1	2	3	4	5	6	7	8
9. Peon.	184 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non Gazetted Non-Ministerial	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not Applicable.	Between 18 and 25 years. Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note: The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.	Essential:	Middle School Standard.
10. Spongeman.	1 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not Applicable.	Between 18 and 25 years.	Desirable:	Primary School Standard.
11. Farash.	27 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not Applicable.	Between 18 and 25 years.	Desirable:	Primary School Standard.
12. Chowkidar.	39 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not Applicable.	Between 18 and 25 years.	Desirable:	Primary School Standard.
13. Safaiwala.	30 subject to variation dependant on work load.	General Central Service Group D Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 196-3-220- EB-3-232.	Not Applicable.	Between 18 and 25 years.	Desirable:	Primary School Standard.

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	2 years.	(i) 75% by Direct recruitment. (ii) 25% by transfer.	Transfer from the grade of Spongeman Farash, Chowkidar and Safaiwalas with 5 years' service in the grade and having elementary literacy and ability to read English or Hindi or Regional languages.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

*OG—Ordinary Grade.

[No. A-12034/35/75-Estt.II]
C. N. RAMAN, Under Secy.

(पुस्तकालय विभाग)

नं १ विस्तीर्ण, २६ जिन्नवर, १९३१

सांकेतिक १९१.— संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तु द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गाल्पनि इसके द्वारा पूर्ण और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) के अधीन दण्डकारण परियोजना में कनिष्ठ लेखा अधिकारी के पद पर भर्ती की पढ़नि का वित्तियमित करने हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, क्योंतु—

१. सक्षिकार नाम और आर्थ (१) ये नियम, दण्डकारण परियोजना, कनिष्ठ लेखा अधिकारी भर्ती नियम, १९८१ कलान्तरे। (२) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की नारीख से लागू होंगे।

२. पदों की भूम्या, वर्गीकरण और बेतनमान पद की मर्या, इमक, वर्गीकरण और बेतनमान मलगत अनुसूची के कानून २ से ४ में दिए गए हैं।

३. भर्ती की पढ़नि, आयु सीमा और व्यायाम आदि उपर्युक्त पद पर भर्ती की पढ़नि, आयु सीमा व्यायाम और इसमें सम्बंधित अन्य बातें उपर्युक्ती के कानून ५ से १३ में दी गई हैं।

४. भ्रोग्यता: कोई व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्तिसे विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित रहने कीमी व्यक्ति से विवाह किया हो, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार हम बात से सन्तुष्ट हो जाए कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के तृप्ते पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून लाग होता है उसके अधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है सथा ऐसा करने के और आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट देसकती है।

५. रियायत देने की शक्ति यदि केन्द्रीय सरकार हम बात से किसी भी व्यक्ति के परामर्श से किसी भी लोकी या वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपर्युक्त से रियायत कर सकती है।

६. अपवाह: इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जन-जातियों पर अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को इस सदर्मसे केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए आदेशों के आधार पर दिये जाने वाले आक्षण, आयु सीमा में छूट तथा अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	वयन पद है	सीधी भर्ती वाले उम्मीद-वालों के लिए आयु-नियन्त्रण पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवालों में वारंवारे के लिए आयु-सीमा अपेक्षित जीक्षित तथा अन्य योग्यता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
१	२	३	४	५	६	७		
कनिष्ठ लेखा-दो* अधिकारी	सेवा समूह 'ग' द०८००२५-९००	सामान्य व्यायाम प्रारंभिक वर्गीय	केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' प्रारंभिक प्रायिक वर्गीय	५००-२०-७००- तथा २५-९०० रु	सम्मिलित	सम्मिलित होता है।	सम्मिलित होता है।	सम्मिलित होता है।

*कोई भार के आधार पर अटा-वडी के अधीन रहते हुए।

क्या सीधी भर्ती के परिवेश की भर्ती की विधि सीधी भर्ती द्वारा, यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा या पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा या प्रतिनियुक्ति/तरण द्वारा भर्ती होती हो तो वे मनिहोतो उसकी संख्या भर्ती के लिए संबंध लोक निर्धारित आयु तथा हो। स्थानांतरण द्वारा तथा विविध जीवित से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति क्या है। सेवा आयोग का परामर्श योग्यताएं पदोन्नति विविध से भरी जाने वाली स्थानांतरण किया जाता है। लिया जाता है। वाले उम्मीदवालों पर भी लागू होगी।

८	९	१०	११	१२	१३
लागू नहीं होता। पदोन्नति के मामले में दो वर्षों पर ५०% प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण:	(१) ५०% प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण:	केन्द्रीय/राज्य सरकार के प्रधीन सामान पर्याप्त कर कर रहे अधिकारी जिसकी ग्रेड में वो वर्षों की सरकारी अपेक्षित सेवा हो गई हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया ३ वर्ष से अधिक नहीं होगी)	पदोन्नति द्वारा। अरिष्ट लेखाकार (४२५-६४० रु) के ग्रेड में नियुक्ति के पश्चात् नियमित आधार पर पांच वर्ष की सेवा हो गई हो।	समूह 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति। १. मुख्य प्रशासक—प्रध्यक्ष २. उप-मुख्य प्रशासक—मदस्य ३. नियेशक (परिवहन एवं मशीनरी—मदस्य	

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 919.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Accounts Officer in the Dandakaranya Project, under the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), namely :—

1. **Short Title and Commencement** : (i) These rules may be called the Dandakaranya Project, Junior Accounts Officer Recruitment Rules, 1981.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Number, Classification and Scale of pay** : The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
3. **Method of Recruitment, Age Limit, Qualification etc.** : The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
4. **Disqualification** : No person —
 - (a) who has entered into, or contracted a marriage with a person having, a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post : provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
5. **Power to relax** : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do so, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules, with respect to any class or category of persons.
6. **Saving** : Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post.	No. of post.	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non Selection post.	Age limit for direct recruits	Education and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Junior Accounts Officer	Two*	General Service Group 'C' non-Gazetted, non-Ministerial	Rs. 500-20-700- EB- 25-900.	Selection	Not applicable	Not Applicable

*Subject to variation dependant on work-load

Whether age and educational qualification prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotedes	Period of probation	Method of rectt. whether by direct rectt. or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years in case of promotion	(i) 50 % by transfer on deputation failing which by promotion. (ii) 50 % by promotion.	By deputation : From officers holding analogous posts under Central / State Govt. with 2 years' required Govt. service in the grade. (Period of deputation shall not ordinarily exceed three years.) By promotion : From the post of Senior Accountant (Rs. 425—640) with 5 years' service in grade rendered after appointment thereto on regular basis.	Group 'C' Departmental promotion Committee : 1. Chief Administrator —Chairman 2. Deputy Chief Administrator —Member 3. Director (Transport and Machinery)—Member.	

[No. 11 (20)80-Adm. III]

S. L. MEDIRATTA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1981

साठ० काठ० लिं० 922.—यादृपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदल्ल शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रशिक्षण निर्देशक एवं उस का और संस्थान खं पद) भर्ती नियम, 1971 का और संसोधन करते के लिए निम्नलिखित नियन्त बनाने हैं, अधिकृति :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रशिक्षण निषेधालय (समूह क और समूह व्य पद) भर्ती (IV संशोधन) नियम, 1981 है।
 (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत छोंगे।

2. प्रशिक्षण निवेशालय (समूह के और अपर) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में येल कैमरायेन के पर्य में संबंधित कम सउवार 14 अप्रैल 1975 संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात निम्नलिखित तत्त्व सम्बन्धीक और प्रविष्टियां अन्त स्वापित की जाएंगी, अर्थात् ।—

અનુસૂચી

पद का नाम	पदों की संख्या	अर्गेकरण	बेतनमान	चयन पद अधिकारी प्रचलन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वैधिक और अन्य आदेश
1	2	3	4	5	6	7
15. प्रशिक्षण अधिकारी (कारबार सेवाएं)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा ममूल “स” राज- पत्रिक प्रशिक्षिकर्त्ता प्रशिक्षण अधिकारी	650-30-740 35-810-०००-०- 35-880-40- 1000-०००-०-४- 1200 रु	चयन	10 वर्ष से अधिक नहीं (संगकारी सेवकों के लिए, शिथिल की जा सकती है)	आवश्यक (1) किसी मान्यताप्राप्त दृष्टि- विद्यालय की उम्मीद समतुल्य।

टिप्पणी :—**श्राव्य** सीमा (2) किसी सान्यतप्राप्ति विषय-
भवधारणा करने के
लिए निर्णयिक तारीख
भारत में रहने वाले
अर्थव्यवस्था से (उनसे
विद्यालय या संस्था से कार-
बार प्रबन्ध/कारबार राशीमन/
प्रीदीविधि प्रबन्ध में ज्ञापित या
टिप्पोमा या समतुल्य ।

भिन्न जो ग्रन्थमान और निकोबार द्वारा लक्षणीय में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त की गई (3) उपरोक्त (2) में यथा उल्लिखित वृत्तिक घटनाओं की प्राप्ति के पश्चात् लाभार्थीसात्/प्रबन्ध में दो ग्रंथि का वृत्तिक/अध्यापन प्रनुभत ।

टिप्पण २.—अनुभव मेंबायी भर्ता
 (भर्ताएँ सध जान मेवा
 आयोग के विवेकानन्दार अन-
 सूचित जातियों श्रवण अन-
 सूचित जनजातियों के प्रश्नधियां
 के मामले में उस रूप में
 गिरिल की जा अकरी
 है (है), जबकि वयत के
 किसी प्रक्रम पर संबं
 सोक सेवा आयोग की वह राय
 हो कि इनके लिए भारतीयन
 रिक्त स्थानों को भरने के लिए
 अप्रैक्षित अनुभव रखने वाले
 इन समुदायों के प्रश्नधियां
 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं
 हो सकें।

बालनीयः
पाठ्य-विवरण, अध्यापन साहाय्य
और प्रशिक्षण सामग्री मादि
त्रीयार करने का अनुष्ठान ।

मीं भर्ती किए जाने परिवीक्षा की भर्ती को पढ़ायें/भर्ती सीधे होंगी वाले व्यक्तियों के अवधि यदि कोई या प्रोन्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण लिए, विक्रित आयु । और भौतिक असुलाया प्राप्ति थी व्यापा में नाग होंगी या नहीं

या प्रोन्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा या विभिन्न पढ़ायियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली व्यक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय, प्रोन्ति भर्ती करने में किन परिवार भर्ती की दशा में वे श्रेणिया समिति हैं तो उसकी संरचना लिखियों में सब लोक भिन्ने प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय, प्रोन्ति भर्ती करने में किन परिवार भर्ती की दशा में वे श्रेणिया समिति हैं तो उसकी संरचना लिखियों में सब लोक भिन्ने प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

8	9	10	11	12	13
आयुः नहीं मीं अ० हा	श्री वये	प्रोन्ति द्वारा यित्तके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थाना- तरण द्वारा और दोनों के न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्ति: ऐसा सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (कार्यालय सेवाएं) जिनमें उस श्रेणी में 2 वर्ष नियमित सेवा की है । प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरणः (क) केन्द्रीय सरकार/गज्य मण्डल के ऐसे अधिकारीः (i) जो सदृश पर धारण किए हुए हैं; या (ii) जिन्होंने 350-900 रु. के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष सेवा की है, या (iii) जिन्होंने 425-700 रुपए के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर ग्राह वर्ष सेवा की है; और (ब) संस्कृत 7 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधि- कारित प्रकार की भौतिक अवहनाएं और अनुभव उन्होंने हैं । (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष में अधिक नहीं होगी)	ममूह “ख” विं प्र० म० म० सीधी भर्ती करने समय 1. महानिवेशक/संपूर्ण प्रतिनियुक्ति पर मण्डल—अध्यक्ष 2. प्रशिक्षण निवेशक— सदस्य 3. प्रशिक्षण प्रशिक्षण निवेशक— मण्डल—सदस्य 4. उप मण्डल (प्रशा०) श्रम सत्रालय—सदस्य 5. उप मण्डल रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय —सदस्य 6. अनुसूचित जाति/प्रतु- मूचित जन जाति के प्रतिनिधि के रूप में भाग/समवक्ता/उप निवेशक— सदस्य टिप्पण—विभागीय प्रोन्ति समिति की कार्यवाही में लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी यदि आयोग उमका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्ति समिति की बैठक में लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या मवस्थ की अध्यक्षता में फिर से होगी ।	प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय, प्रोन्ति भर्ती करने में किन परिवार भर्ती की दशा में वे श्रेणिया समिति हैं तो उसकी संरचना लिखियों में सब लोक भिन्ने प्रोन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

1	2	3	4	5	6	7
16 प्रशिक्षण अधि- कारी (सौर्य- प्रशासक)	1 साधारण केन्द्रीय सेवा ममूह “ख” राज- प्रस्तुत प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण में रहने वाले अध्ययनियों में उनमें दिन जो अन्दमान और निकोबार द्वारा तथा सहायीप में रहते हैं) प्रायेवन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी ।	650-30-740- 35-810-द०रो०- 35-880-40- 1000-द०रो०- 40-1200 रु०	अध्ययन	30 वर्ष से अधिक नहीं आवश्यकः (सरकारी सेवकों के नियत नियत की जा सकती है)	टिप्पण—शायु सीमा अव- धिकारित करने के लिए निर्णयिक सारी भारत में रहने वाले अध्ययनियों में (उनमें दिन जो अन्दमान और निकोबार द्वारा तथा सहायीप में रहते हैं) प्रायेवन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी ।	(1) किसी मान्यताप्राप्त विषय- विद्यालय की उपायि या समतुल्य । (2) किसी मान्यताप्राप्त संस्था का सौर्य-संस्कृति/श्रवणराग विज्ञान में डिप्लोमा या समतुल्य । (3) उपरोक्त (2) में उल्लिखित वृत्तिक अद्वतायों की प्राप्ति के पश्चात् भौतिक-संस्कृति/अ-ग- राग विज्ञान के लेने में दो वर्ष का भौतिक/प्रज्ञापन यन् भव । टिप्पण 1—अद्वताय, ग्रथया मूर्मित अध्ययनियों की व्यापा में सब लोक में आयोग के विवेकानुमार

शिथिल का जा सकती है।

टिप्पण 2—अनुभव संबंधी अहता (अहंताएँ) संबंधी लोक सेवा आयोग के विवेकानुभाव अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन-जातियों के अधिकारी के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती है (है) जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर संबंधी लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अधिकारी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकते।

आठवीं,

पाठ्य-विवरण, अध्यापन माहात्म्य और प्रशिक्षण मामली आदि तैयार करने का अनुभव।

८	९	१०	११	१२	१३
मायु नहीं मौ० अ० : हा	दो वर्ष	प्रान्तिक द्वारा, जिसके न हो सकने पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर, सीधी भर्ती द्वारा।	प्रान्तिक एसा सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (सौर्यों प्रयाप्तक) जिसने उस श्रेणी में २ वर्ष नियमित सेवा की है।	समूक्ष “ख” वि० प्र० स० स० १. महानिवेशक/सम्पूर्ण सचिव—प्रशिक्षण सदस्य नियुक्ति के लिए अधिकारी का चयन करते समय तथा उन नियमों के किसी उपबंध को संयोगित/प्रियित करते समय सब सोक सेवा	सीधी भर्ती करते समय प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए अधिकारी का चयन करते समय तथा उन नियमों के किसी उपबंध को संयोगित/प्रियित करते समय सब सोक सेवा

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :
(क) केन्द्रीय भर्कार/राज्य सरकारों के ऐसे अधिकारी :
(i) जो सदृश पद धारण किए हुए हों, या
(ii) जिन्होंने ५५०-९०० रु के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर भाग वर्ष सेवा की है ; और
(iii) जिन्होंने ४२५-७०० रुपए के या समतुल्य बेतनमान वाले पदों पर भाग वर्ष सेवा की है ; और
(ख) स्तरम् ७ के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले अवक्तव्यों के लिए अधिकारित प्रकार की शैक्षिक महत्वाद्यांग और अनुभव रखते हैं।
(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः सीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)

टिप्पण :—विभागीय प्रोन्तिक समिति की कार्यवाही संबंधी लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएगी। यदि आयोग उसका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्तिक समिति की बैठक संबंधी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की प्रमुखता में फिर से होगी।

1	2	3	4	5	6	7
17. प्रशिक्षण भवित्वा कार्य (परिवार बुनाई)	1	सामाजिक सेवा समूह "ब" राज- परिवार अभियान- कार्यपाल	650-30-740- 35-810-००-००- 35-880-40- 1000-००-००- 40-1200 रुपये	चयन (सरकारी सेवकों के लिए शिक्षण की जा सकती है)	30 वर्ष से अधिक वर्षों (सरकारी सेवकों के लिए शिक्षण की जा सकती है)	भागवतः (1) किसी भास्तुताप्राप्त विषय- विद्यालय की उपाधि या समतुल्य । (2) किसी भास्तुताप्राप्त संस्का- का परिवार बुनाई और होमरी में डिप्सोमा या समतुल्य । (3) उपरोक्त (2) में उल्लिखित भूतिक अहंता की प्राप्ति के पश्चात् परिवार बुनाई और होमरी के दोनों में वीर्य का वृत्तिक/भव्यापन अनु- भव ।
				टिप्पण :—साधु सीमा प्रवासारित करने के लिए निर्णयिक तारीख भारत में रहने वाले प्रभ्य- विद्यों से (उनसे भिन्न जो अन्यान्य और निकोबार द्वीप तथा लकड़ीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त्रित की गई अनियन्त्रित तारीख होगी ।	टिप्पण :— दिप्पण : 1 अहंताएं, अन्यथा भूर्भूति प्रभ्यविद्यों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिक्षण की जा सकती है। टिप्पण : 2 अनुभव संबंधी अहंता (अहंताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुभूति जनजातियों द्वारा अनुभूति जनजातियों के प्रभ्यविद्यों के मामले में उस दशा में जिमिल की जा सकती है (है), जब कि चयन के लिए प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय ही कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित प्राप्त रुक्त से वासि इम समुदायों के अधिकारी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे ।	
				प्रोन्ति द्वारा जिसके हो सकते प्रोन्ति : पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानों- तरण द्वारा भी दोनों के म हों सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।	ममूल "ब" वि० प्र० म० सीधी भर्ती करने समय प्र० अ० छा० एसा सहायक प्रशिक्षण प्रधिकारी 1 महानिदेशक/संयुक्त प्रतिनियुक्ति पर परिवार बुनाई (परिवार बुनाई) जिसने उम सचिव—प्राप्तवक्ता/सदस्य नियुक्ति के लिए प्रधि- कारी का चयन करने का वयन करने सकता है न नियमों की है । 2 प्रशिक्षण निदेशक— सदस्य	
प्राप्त : नहीं प्र० अ० छा०	2 वर्ष	प्रोन्ति द्वारा जिसके हो सकते प्रोन्ति : पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानों- तरण द्वारा भी दोनों के म हों सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।	ममूल "ब" वि० प्र० म० सीधी भर्ती करने समय प्र० अ० छा० एसा सहायक प्रशिक्षण प्रधिकारी 1 महानिदेशक/संयुक्त प्रतिनियुक्ति पर परिवार बुनाई (परिवार बुनाई) जिसने उम सचिव—प्राप्तवक्ता/सदस्य नियुक्ति के लिए प्रधि- कारी का चयन करने का वयन करने सकता है न नियमों की है । 2 प्रशिक्षण निदेशक— सदस्य	11	12	13

8	9	10	11	12	13
			प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरणः	3. शिशुता प्रशिक्षण निवेदित के किसी उपर्युक्त जौ संस्थानित/शिखिल	
(क)	केंद्रीय सरकार/गवर्नर	सरकार के ऐसे अधिकारी	प्राक—सदस्य	करते समय संघ सेवा करना आवश्यक संस्थानित/शिखिल	
(1)	जो सदृश पद व्याख्या किए हैं, या	श्रम संवालय—सदस्य	सेवा प्रायोग से परामर्श करना आवश्यक		
(2)	जिन्होंने 550-900 को के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर तीन वर्ष सेवा की है, या	प्रीर प्रशिक्षण महानिवेदित वेतनमान	निवेदित वेतनमान	सेवा प्रायोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।	
(3)	जिन्होंने 425-700 को के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर आठ वर्ष सेवा की है, और	प्रतिनिधित्व के रूप में अपर/संयुक्त/उप निवेदित	दिव्यांग—विभागीय प्रोन्टनि		
(ख)	स्तर 7 के प्रधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकथित प्रकार की वैशिक भर्तीताएं और अनुभव रखते हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि मासान्तरतः तीन वर्ष में अधिक नहीं होती)	समिति की कार्यवाही सभा नोक सेवा आयोग के अनुसारनार्थ भेजी जाएगी यदि आयोग उसका अनुमोदन नहीं करता है, तो विभागीय प्रोन्टनि समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में किर से होती।	समिति की कार्यवाही सभा नोक सेवा आयोग के अनुसारनार्थ भेजी जाएगी यदि आयोग उसका अनुमोदन नहीं करता है, तो विभागीय प्रोन्टनि समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में किर से होती।		

[सं० छ० जी० ई० एण्ड ई०-१२/५/७८-प्रशा०-II/वाल्यूम/III/टी० ए०-II]

हरचरण सिंह राजू, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 21st September, 1981

G.S.R. 922.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Training (Group A and Group B posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training (Group A and Group B posts) Recruitment (IV Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Training (Group A and Group B posts) Recruitment Rules, 1971 after serial number 14 relating to the post of Senior Cameraman and the entries relating thereto; the following serial numbers and entries shall be inserted namely :—

SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
15. Training Officer (Business Services)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in	No	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma in Business Management/ Business Administration/Industrial Management of a recognised University, Institution or equivalent; (iii) 2 years professional / teaching experience in Business Administra-	

1	2	3	4-	5	6	v(a)	7
				Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)		tion/ Management after obtaining professional qualifications as at (ii) Note : 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.	

Note : 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them,

Desirable :

Experience in the preparation of syllabi, teaching aids and training material etc.

Note : As the posts come under the Women's occupation programmes for training of women in various trades, preference shall be given to women candidates.

8	9	10	11	12	13
Age : No 2 years Educational qualification : Yes	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion: Assistant Training Officer (Business Services) with 2 years, regular service in the grade. Transfer on deputation : (i) Officers from the Central/ State Governments (ii) Holding analogous posts or	Group 'B' Departmental Promotion Committee 1. Director General' Joint Secretary 2. Director of Training 1. Director General' Joint Secretary 2. Director of Training 3. Director of Apprenticeship Training (i) Officers from the Central/ State Governments (ii) Holding analogous posts or	Consultation with the Union Public Service Commission Chairman necessary while making direct recruitment, --Member, appointment on --Member, appointment on 4. Deputy Secretary deputation and Administration Minister amending/relax-	

8

9

10

11

12

13

(ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent ; or

(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent ; and

(b) possessing educational qualifications and experience of the type laid down for direct recruits under column 7. (period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.)

try of Labour ing any of the
- Member. Provisions of
Directorate General those rules.

5. Deputy Secretary General
of Employment and
Training — Member.

6. Additional/ Joint /
Deputy Director
— Member

Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
16. Training Officer (Beautician)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non- Ministerial	Rs. 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000-EB- 40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants).	No	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Diploma in Beauty Culture/ Cosmetology of a recognised Institution or equivalent. (iii) 2 years professional/ teaching experience in the field of Beauty Culture/ cosmetology after obtaining professional qualification as at (ii). Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
						Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them	

Desirable :

Experience in the preparation of syllabi, teaching aids and training material, etc

Note : As the posts come under the Women's occupation programmes for training of women in various trades, preference shall be given to women candidates.

8	9	10	11	12	13
Age: No Educational qualifications : Yes	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion : Assistant Training Officer (Beautician) with 2 years regular service in the grade. Transfer on deputation.	Group 'B' Departmental Promotion Committee	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment, selecting an Officer for appointment on deputation and amending/relaxing any of the provisions of these rules.

(a) Officers from the Central Government /State-Governments,
 (i) holding analogous posts;
 — or
 (ii) with 3 years service in posts in the scale of Rs. 550—900 or equivalent ;
 — or
 (iii) with 8 years service in posts in the scale of Rs. 425—700 or equivalent ;
 — and
 (b) possessing educational qualifications and experience of the type laid down for direct recruits under column 7.
 (period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)

1. Director General / Joint Secretary
 — Chairman
2. Director of Training
 — Member
3. Director of Apprenticeship Training
 — Member
4. Deputy Secretary Administration Ministry of Labour
 — Member
5. Deputy Secretary Directorate General of Employment and Training
 — Member
6. Additional /Joint/ Deputy Director
 — Member

Note : The proceedings of the 'Departmental Promotion Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Prom-

tion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
17. Training Officer (Garment Knitting)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non- Ministerial	Rs. 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000-FB- 40-1200	Selection Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants).	No	Essential :	

Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)

(i) Degree of a recognised University or equivalent.

(ii) Diploma in garment knitting and hosiery of a recognised Institution or equivalent.

(iii) 2 years' professional/teaching experience in the field of Garment Knitting and Hosiery after obtaining professional qualification as at (ii).

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Experience in the preparation of syllabi, teaching aids and training material, etc.

Note : As the posts come under the Women's occupation programmes for training women in various trades, preference shall be given to women candidates.

3	9	10	11	12	13
Age : No	2 years	By promotion failing	Promotion : which by transfer on Assistant Training Officer	Group 'B' Departmental Promotion Committee	Consultation with the Union Public Service Commission
Educational qualifications : Yes			deputation and failing (Garment (Knitting) with both by direct recruitment	1. Director General-Joint Secretary	necessary while making direct
			2 years' service in the grade.	2. Director of Training	recruitment selecting an Officer
			Transfer on deputation :	3. Director of Apprenticeship Training	3. Director for appointment on deputation and amending
			(a) Officers from the Central Government /State Governments;	4. Deputy Secretary (Administration) Ministry of Labour	any of the provisions of these rules.
			(i) holding analogous posts ; or	5. Deputy Secretary Directorate General of Employment & Training	
			(ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent ; or	6. Additional/Joint Director	—Member
			(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent ; and		Note : The proceedings of the Departmental Promotions Committee relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Union Public Service Commission for approval, if, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be preside over by the Chairman or a member of the Union Public Service Commission shall be held.
			(b) possessing educational qualifications and experience of the type laid down for direct recruits under Column 7. (Period of deputation shall not exceed 3 years).		

[No. DGE&T. 12/5/78-Adm. II/Vol. III /TA. II]
H. S. RAZU, Under Secy.